# 14

# अपूर्ण रिकॉर्ड्स से खाते
## (ACCOUNTING FROM INCOMPLETE RECORDS)

### अध्ययन परिणाम (Learning Outcomes)

इस अध्याय के अध्ययन पश्चात् आप निम्नांकित के लिये समर्थ होंगे :

1. समय के दो विभिन्न बिन्दुओं पर किस प्रकार पूँजी का ज्ञान स्थिति विवरण के माध्यम से हो सके।
2. समय के दो विभिन्न बिन्दुओं पर पूँजी की तुलना द्वारा लाभ निर्धारण की तकनीकों का ज्ञान।
3. अपूर्ण रिकॉर्ड्स से लाभ–हानि खाता एवं आर्थिक चिट्ठा तैयार करना।

### अध्याय परिदृश्य (Chapter Overview)

- एकल प्रविष्टि प्रणाली प्रायः एकल व्यापारिक फर्मों या साझेदारी फर्मों में पाया जाता है।
- एकल लेखा प्रणाली द्वैत की अवधारणा को अमान्य करती है और इसलिये लेन–देनों को दो पक्षीय पहलुओं के साथ नहीं किया जाता है।

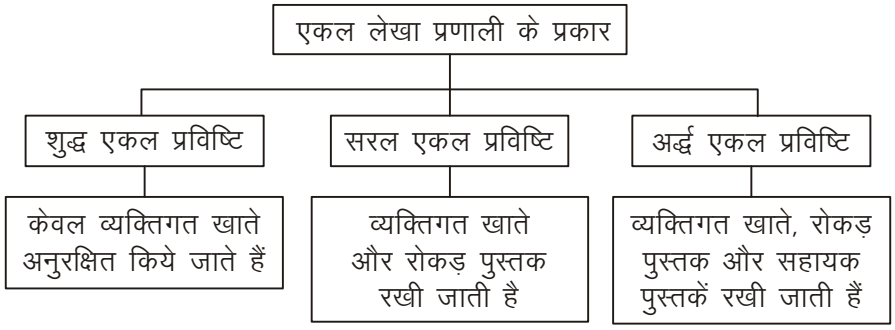


© The Institute of Chartered Accountants of India

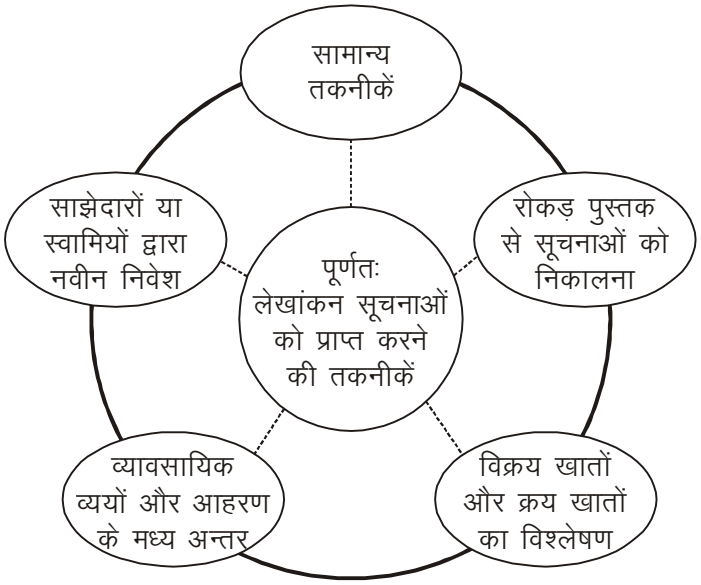


**1. परिचय** (Introduction)

प्रायः एकल स्वामित्व एवं साझेदारी व्यवसायों द्वारा दोहरा लेखा प्रणाली के आधार पर पुस्तकें नहीं रखी जाती हैं। कभी वे नकद/उधार लेनदेनों का रिकॉर्ड्स रखते हैं। कभी–कभी वे सभी लेनदेनों का रिकॉर्ड्स नहीं रखते हैं, परन्तु लेखांकन अवधि के अंत में वे व्यवसाय का निष्पादन एवं वित्तीय स्थिति जानना चाहते हैं। इससे लेखापालकों को विशेष समस्या आती है। इस अध्याय में विवेचना की गयी है कि अपूर्ण रिकॉर्ड्स किस प्रकार पूर्ण खाते बनायें।

शब्दावली 'एकल लेखा प्रणाली' का उपयोग अपूर्ण रिकॉर्ड्स से लेखांकन की समस्या को वर्णित करने के लिये लोकप्रिय रूप में किया जाता है। व्यवहार में, अनाड़ी लेखांकक कुछ मिश्रित प्रणालियों का अनुसरण करते हैं। कुछ लेनदेनों के लिये वे दोहरी प्रविष्टियाँ करते हैं। कुछ अन्य के लिये वे एकल प्रविष्टि की जाती हैं। इसके ऊपर कुछ लेनदेनों के लिये कोई प्रविष्टि नहीं की जाती है। संक्षेप में, इसको अपूर्ण रिकॉर्ड्स कहा जाता है। लेखापालक का कार्य उपलब्ध सूचनाओं के मध्य सम्बन्ध स्थापित करना और खातों को अंतिम रूप देना होता है।

**विशेषताएँ**

- यह अशुद्ध, अवैज्ञानिक और गैर सैद्धान्तिक व्यावसायिक लेनदेनों के रिकॉर्डिंग की प्रणाली है।
- सामान्यतः वास्तविक और व्यक्तिगत खातों की कोई प्रविष्टि नहीं की जाती है, अधिकांश मामलों में, रोकड़ी लेनदेनों और व्यक्तिगत खातों का रिकॉर्ड रखा जाता है।
- रोकड़ पुस्तक में स्वामियों के व्यावसायिक एवं व्यक्तिगत लेनदेनों को मिश्रित रूप में रखा जाता है।
- रिकॉर्ड्स के अनुरक्षण में कोई समरूपता नहीं पायी जाती है और प्रणाली एक फर्म से दूसरे के लिये भिन्न हो सकती है, जोकि प्रत्येक फर्म की सुविधा और आवश्यकताओं के अनुरूप हो सकती है।

© The Institute of Chartered Accountants of India

- इस प्रणाली के अधीन लाभ केवल अनुमानित होता है जो उपलब्ध सूचनाओं पर आधारित होता है अतः सही एवं सत्य लाभ का निर्धारण नहीं किया जा सकता है। उचित आर्थिक चिट्ठे के अभाव में, वित्तीय स्थिति के साथ भी यही स्थिति होती है।

**2. प्रकार** (Types)

एकल लेखा प्रणाली के अधीन रिकॉर्ड्स अनुरक्षण के लिये अंगीकृत अनेक प्रक्रियाओं की स्क्रूटिनी करने पर निम्नांकित तीन रूपों का अस्तित्व प्रकट होता है :

**1. शुद्ध एकल प्रविष्टि** : इस प्रणाली में, केवल व्यक्तिगत खाते रखे जाते हैं, इसके परिणामस्वरूप रोकड़ और बैंक शेषों, विक्रय एवं क्रय की कोई सूचना उपलब्ध नहीं होती है। रोकड़ इत्यादि के सम्बन्ध में मूल सूचनाओं की उपलब्धता की असफलता के संदर्भ में, यह प्रणाली केवल सिद्धान्त रूप में ही विद्यमान रहती है और इसकी कोई व्यावहारिक उपयोगिता नहीं होती है।

**2. सरल एकल प्रणाली** : इस प्रणाली में, (a) व्यक्तिगत खाते और (b) रोकड़ पुस्तक रखी जाती हैं। यद्यपि, ये खाते दोहरा लेखा प्रणाली के आधार पर रखे जाते हैं, रोकड़ पुस्तक से खतौनी केवल व्यक्तिगत खातों में की जाती है और अन्य कोई खाता पुस्तकों में नहीं पाया जाता है। देनदारों से प्राप्त रोकड़ और लेनदारों को चुकता रोकड़ का उल्लेख मात्र प्राप्य/देय विपत्रों पर किया जाता है, इस सम्बन्ध में अन्य कोई प्रविष्टि नहीं की जाती है।

**3. अर्द्ध एकल प्रणाली** : इस प्रणाली में, (a) व्यक्तिगत खाते, (b) रोकड़ पुस्तक और (c) कुछ सहायक पुस्तकें रखी जाती हैं। इस प्रणाली के अधीन रखी जाने वाली मुख्य सहायक पुस्तके हैं–विक्रय पुस्तक, क्रय पुस्तक एवं बिल बुक। कटौतियों के सम्बन्ध में कोई पृथक रिकॉर्ड नहीं रखा जाता है, जिनकी प्रविष्टि व्यक्तिगत खातों में की जाती है। इसके अतिरिक्त व्ययों की कुछ महत्वपूर्ण मदों के सम्बन्ध में कुछ फुटकर सूचनाएँ भी उपलब्ध होती हैं; जैसे–मजदूरी, किराया, रेट्स आदि। वास्तव में, यह ऐसी प्रणाली है जो दोहरी लेखा प्रणाली के स्थान पर अपनायी जाती है।

**3. पूँजी की तुलना द्वारा लाभ का निर्धारण** (Ascertainment of Profit by Capital Comparison)

इस प्रणाली को शुद्ध सम्पदा प्रणाली, स्थिति विवरण प्रणाली भी कहा जाता है।

**अंतिम पूँजी – प्रारम्भिक पूँजी = उपार्जित लाभ**

यदि आय एवं व्ययों के सम्बन्ध में विस्तृत सूचना उपलब्ध न हो, लाभ–हानि खाता तैयार करना कठिन हो जाता है। सम्पत्तियों एवं दायित्वों के बारे में सूचना एकत्रित करने के स्थान पर समय के दो बिन्दुओं पर आर्थिक चिट्ठा तैयार करना आसान होता है। अपूर्ण रिकॉर्ड्स से खाते तैयार करते समय, यदि पर्याप्त सूचना उपलब्ध नहीं है, लाभ की राशि ज्ञात करने के लिये, पूँजी तुलना प्रणाली का अनुसरण करना बेहतर होता है।

### 3.1 पूँजी तुलना की प्रणालियाँ

यदि लाभ हुआ है तो पूँजी में वृद्धि होती है और हानि की स्थिति में कमी होती है। तथापि, स्वामी/साझेदारों द्वारा नए निवेश से भी पूँजी बढ़ती है और उनके आहरण से घटती है। अतः पूँजी तुलना द्वारा लाभ का निर्धारण करते समय अग्रांकित चरणों का अनुसरण करना चाहिये।

© The Institute of Chartered Accountants of India

| | ₹ |
|---|---|
| अंतिम पूँजी (a) | xxx |
| जोड़ो : आहरण | x |
| घटाओ : नवीन निवेशित पूँजी | xx |
| प्रारम्भिक पूँजी (b) | शेष राशि |
| लाभ = (a – b) | अंतर राशि |

उपरोक्त विवेचना से यह स्पष्ट है कि पूँजी तुलना प्रणाली का अनुसरण करते समय प्रारम्भिक एवं अंतिम पूँजी का ज्ञान होना आवश्यक है। ऐसा, समय के दो विभिन्न बिन्दुओं पर 'स्थिति विवरण' बनाकर किया जा सकता है। पूँजी सदैव सम्पत्तियों से दायित्व घटाकर प्राप्त होती है।

अतः स्थिति विवरण की तैयारी में सम्पत्तियों एवं दायित्वों की सूची उनकी राशि सहित आवश्यक होती है। किसी व्यावसायिक उपक्रम की सम्पत्तियों एवं दायित्वों को ज्ञात करने के लिये, लेखापालक निम्नांकित साधनों का उपयोग करते हैं :

(i) रोकड़ पुस्तक एवं रोकड़ शेष

(ii) बैंक पास बुक एवं बैंक शेष

(iii) देनदार और लेनदारों के व्यक्तिगत खाते

(iv) वास्तविक गणना द्वारा रहतिया मूल्यांकन

(v) स्थायी सम्पत्तियों के सम्बन्ध में, एक सूची तैयार की जाती है। स्वामी उनकी मूल लागत को प्रकट कर सकता है। ह्रास की उपयुक्त राशि घटाने के पश्चात् अपलिखित या ह्रासित मूल्य की स्थिति विवरण में शामिल कर लेंगे। सम्पत्तियों एवं दायित्वों सम्बन्धी सभी आवश्यक सूचनाओं की जानकारी पश्चात् लेखापालक का अगला कार्य समय के दो विभिन्न बिन्दुओं पर स्थिति विवरण तैयार करना शेष रहता है। स्थिति विवरण की रूपरेखा आर्थिक चिट्ठे के समान निम्नांकित प्रदर्शित है :

**स्थिति विवरण (तिथि) .....**

| दायित्व | (₹) | सम्पत्तियाँ | (₹) |
|---|---|---|---|
| पूँजी (अन्तर राशि) | XX | भवन | XX |
| ऋण बैंक अधिविकर्ष | XX | मशीनरी | XX |
| विविध लेनदार | XX | फर्नीचर | XX |
| देय विपत्र | XX | रहतिया | XX |
| अदत्त व्यय | XX | विविध देनदार | XX |
| | | प्राप्त विपत्र | XX |
| | | ऋण एवं अग्रिम | XX |
| | | नकद एवं बैंक | XX |
| | | पूर्वदत्त व्यय | XX |
| | XX | | XX |

दो विभिन्न तिथियों पर बनाये गये स्थिति विवरणों से, प्रारम्भिक एवं अन्तिम पूँजी शेष ज्ञात किये जा सकते हैं।

© The Institute of Chartered Accountants of India

**आर्थिक चिट्ठा एवं स्थिति के कारण में अन्तर**

| आधार | स्थिति विवरण | आर्थिक चिट्ठा |
|---|---|---|
| विश्वसनीयता | यह ऐसे लेनदेनों के आधार पर बनाया जाता है जो आंशिक रूप से दोहरी लेखा प्रणाली और आंशिक रूप से एकल लेखा प्रणाली द्वारा संगणित है। सम्पत्तियों का मूल्यांकन प्रायः अनुमानित होता है। रिकॉर्ड्स की अपेक्षा स्मरण द्वारा सूचनाएँ एकत्रित की गयी होती हैं। | लेनदेनों की रिकॉर्डिंग निश्चित ही दोहरी लेखा प्रणाली के आधार पर की गयी होती है, अतः इसकी प्रत्येक मद का सत्यापन सहायक पुस्तकें और लेजर से किया जा सकता है। अतः शेष न केवल विश्वसनीय होते हैं वरन् भरोसेमंद होते हैं। |
| पूँजी | इसमें पूँजी सम्पत्तियों का दायित्वों से आधिक्य के रूप में संगणित की जाती हं अतः सम्पत्तियों का दायित्वों से समकक्ष होना आवश्यक नहीं है। | पूँजी खाते से पूँजी ली जाती है अतः सम्पत्ति पक्ष का योग सदैव कुल दायित्वों के योग के समकक्ष होता है। |
| भूल | अपूर्ण रिकॉर्ड्स के आधार पर विवरण की तैयारी के कारण, यदि उन्हें पुस्तकों से भूल हो गयी है तब उनका ढूँढ़ना कठिन हो जाता है। | सम्पत्तियों और दायित्वों की किसी मद के भूल की कोई सम्भावना नहीं होती है चूँकि सभी उचित रीति से लिपिबद्ध है। साथ ही छूट गयी मद को ढूँढ़ना सरल है अन्यथा आर्थिक चिट्ठा नहीं मिलता है। |
| मूल्यांकन आधार | सम्पत्तियों का मूल्यांकन प्रायः मनमानी विधि से किया जाता है, अतः मूल्यांकन की किसी विधि को प्रकट नहीं किया जाता है। | सम्पत्तियों का मूल्यांकन वैज्ञानिक आधार पर किया जाता है, नवीन सम्पत्ति की स्थिति में यह मूल लागत होती है और प्रयुक्त सम्पत्ति की स्थिति में ह्रासित लागत होती है। मूल्यांकन विधि में कोई परिवर्तन पूर्णतः उचित रूप में प्रकट होता है। |
| उद्देश्य | ऐसे विवरण की तैयारी का उद्देश्य लेखांकन अवधि के अंत में और प्रारम्भ में पूँजी राशि का अनुमान लगाना होता है। | आर्थिक चिट्ठा बनाने का उद्देश्य फर्म की आर्थिक स्थिति का किसी निश्चित तिथि को निर्धारण करना होता है। |

### 3.3 स्थिति विवरण की तैयारी और लाभ का निर्धारण

यह उपरोक्त पैरा 3.1 में विवेचित किया गया है कि सम्पत्ति एवं दायित्वों की राशियाँ स्थिति विवरण की तैयारी हेतु संगृहीत की जानी चाहिए। नीचे उदाहरण दिया गया है।

**उदाहरण–1**

31-12-2015 और 31-12-2016 को श्रीराम की सम्पत्तियाँ एवं दायित्व निम्नांकित थे

| | **31-12-2015** | **31-12-2016** |
|---|---|---|
| | (₹) | (₹) |
| **सम्पत्तियाँ** | | |
| भवन | 1,00,000 | ? |
| फर्नीचर | 50,000 | ? |

© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | |
|---|---|---|
| रहतिया | 1,20,000 | 2,70,000 |
| विविध देनदार | 40,000 | 90,000 |
| नकद एवं बैंक | 70,000 | 85,000 |
| हस्तस्थ रोकड़ | 1,200 | 3,200 |
| **दायित्व** | | |
| ऋण | 1,00,000 | 80,000 |
| विविध लेनदार | 40,000 | 70,000 |

भवन को 2.5% और फर्नीचर को 10%, की दर से ह्रासित करना निश्चित हुआ। व्यवसाय के स्वामी की एक जीवन बीमा परिपक्वता राशि ₹ 40,000 को व्यवसाय में डाल दिया है। स्वामी ने ₹ 2,000 प्रतिमाह आहरण किये हैं।

**हल**

**Statement of Affairs**

**as on 31-12-2015 & 31-12-2016**

| **Liabilities** | **31-12-15** | **31-12-16** | **Assets** | **31-12-15** | **31-12-16** |
|---|---|---|---|---|---|
| | ₹ | ₹ | | ₹ | ₹ |
| Capital | 2,41,200 | 4,40,700 | Building | 1,00,000 | 97,500 |
| (Bal. Fig.) | | | Furniture | 50,000 | 45,000 |
| Loans | 1,00,000 | 80,000 | Inventory | 1,20,000 | 2,70,000 |
| Sundry creditors | 40,000 | 70,000 | Sundry debtors | 40,000 | 90,000 |
| | | | Cash at bank | 70,000 | 85,000 |
| | | | Cash in hand | 1,200 | 3,200 |
| | **3,81,200** | **5,90,700** | | **3,81,200** | **5,90,700** |

**उदाहरण–2**

उदाहरण 1 की राशियों को लेते हुए श्रीराम का लाभ ज्ञात कीजिये।

**हल**

**पूँजी तुलना प्रणाली द्वारा लाभ की मात्रा का निर्धारण**

| | (₹) |
|---|---|
| 31-12-2016 को पूँजी शेष | 4,40,700 |
| **घटाओ** : नवीन नियोजित पूँजी | (40,000) |
| | 4,00,700 |
| **जोड़ो** : आहरण (₹ 2000 × 12) | 24,000 |
| | 4,24,700 |
| **घटाओ** : 31.12.2015 को पूँजी शेष | (2,41,200) |
| **लाभ** | **1,83,500** |

**नोट :**

- नवीन पूँजी नियोजन से अन्तिम पूँजी बढ़ी है, अतः घटा दी गयी है।
- आहरण द्वारा अन्तिम पूँजी में कमी हुई है, अतः बढ़ा दी गयी है।

© The Institute of Chartered Accountants of India

**उदाहरण–3**

A और B साझेदार हैं उनका लाभ विभाजन अनुपात 2 : 1 है। उनकी सम्पत्तियों एवं दायित्वों के सम्बन्ध में निम्नलिखित सूचना उपलब्ध हैं :

| | 31-3-2016 (₹) | 31-3--2017 (₹) |
|---|---|---|
| फर्नीचर | 1,20,000 | ? |
| अग्रिम | 70,000 | 50,000 |
| लेनदार | 32,000 | 30,000 |
| देनदार | 40,000 | 45,000 |
| रहतिया | 60,000 | 74,750 |
| ऋण | 80,000 | — |
| बैंक में रोकड़ | 50,000 | 1,40,000 |

साझेदारों को ₹ 2,000 का वेतन प्रति माह स्वीकृत है। उन्होंने लाभलाभ अनुपात में पूँजी में अंशदान किया है। पूँजी पर 6% और आहरण पर 10% ब्याज प्रभावी है।

| | A (₹) | B (₹) |
|---|---|---|
| April 30 | 2,000 | — |
| May 31 | — | 2,000 |
| June 30 | 4,000 | — |
| Sept. 30 | — | 6,000 |
| Dec. 31 | 2,000 | — |
| Feb. 28 | — | 8,000 |

30 जून को उन्होंने C को 1/3 भाग का साझेदार बनाया जिसकी पूँजी ₹ 75,000 थी, C को 9 माह के लाभ में अंश भागिता का अधिकार है। नवीन अनुपात 1 : 1 : 1 होगा। A ने अपना आनुपातिक भाग आहरित कर लिया। फर्नीचर पर 10% ह्रास है। ₹ 10,000 के नये क्रयीत फर्नीचर पर 3 माह का ह्रास लें।

चालू खातों के शेष = 31.3.2016 : A ₹ 5,000 (Cr.), B ₹ 2,000 (Dr.)

लाभ का विवरण चालू खाते और स्थिति विवरण 31.3.2017 के लिये तैयार कीजिये।

**हल**

**Statement of Affairs**

**as on 31-3-2016 & 31-3-2017**

| Liabilities | 31-3-16 ₹ | 31-3-17 ₹ | Assets | 31-3-16 ₹ | 31-3-17 ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| Capital A/c's | | | Furniture | 1,20,000 | 1,17,750 |
| A | 1,50,000 | 75,000 | Advances | 70,000 | 50,000 |
| B | 75,000 | 75,000 | Inventory | 60,000 | 74,750 |
| C | — | 75,000 | Debtors | 40,000 | 45,000 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | Cash at bank | 50,000 | 1,40,000 |
| Loan | 80,000 | — | Current A/c B | 2,000 | — |
| Creditors | 32,000 | 30,000 | | | |
| Current A/c's | | | | | |
| A | 5,000 | 74,036* | | | |
| B | — | 48,322* | | | |
| C | | 50,142* | | | |
| | 3,42,000 | 4,27,500 | | 3,42,000 | 4,27,500 |

**नोट्स**

| | | |
|---|---|---|
| (i) | फर्नीचर पर ह्रास | |
| | 10% on ₹ 1,20,000 | 12,000 |
| | 10% on ₹ 10,000 for 1/4 year | 250 |
| | | 12,250 |
| (ii) | 31-3-2016 को फर्नीचर | |
| | 31-3-2016 को शेष | 1,20,000 |
| | जोड़ो : नवीन क्रय | 10,000 |
| | घटाओ : ह्रास | 1,30,000 |
| | | (12,250) |
| | | 1,17,750 |
| (iii) | 31-3-2017 को चालू खातों का योग | |
| | कुल सम्पत्तियाँ (1,17,750 + 50,000 + 74,750 + 45,000 + 1,40,000) | 4,27,500 |
| | घटाओ : स्थायी पूँजी (75,000 + 75,000 + 75,000) + दायित्व (30,000) | (2,55,000) |
| | | 1,72,500 |

यह वेतन एवं पूँजी पर ब्याज जोड़कर और आहरण जमा ब्याज को घटाने के पश्चात् है।

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| (iv) | **पूँजी पर ब्याज** | | | ₹ |
| | A : on | 1,50,000 | @ 6% for 3 माह | 2,250 |
| | on | 75,000 | @ 6% for 9 माह | 3,375 |
| | | | | 5,625 |
| | B : on | 75,000 | @ 6% for 1 वर्ष | 4,500 |
| | C : on | 75,000 | @ 6% for 9 माह | 3,375 |
| | | | | 7,875 |
| (v) | **आहरण पर ब्याज** | | | |
| | A : on | 2,000 | @ 10% for 11 माह | 183 |
| | on | 4,000 | @ 10 for 9 माह | 300 |
| | on | 2,000 | @ 10 for 3 माह | 50 |
| | | | | 533 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | B : | on | 2,000 | @ 10% for 10 माह | 167 |
| | | on | 6,000 | @ 10% for 6 माह | 300 |
| | | on | 8,000 | @ 10% for 1 माह | 67 |
| | | | | | 534 |

| | | |
|---|---|---|
| लाभ का आंवटन | ₹ 1,15,067 | |
| 3 माह का लाभ | ₹ 28,767 | |
| 9 माह का लाभ | ₹ 86,300 | |
| A : 2/3 × ₹ 28,767 + 1/3 × ₹ 86,300 | | = ₹ 47,944 |
| B : 1/3 × ₹ 1,15,067 | | = ₹ 38,356 |
| C : 1/3 × ₹ 86,300 | | = ₹ 28,767 |
| | | ₹ 1,15,067 |

**Current Accounts**

| | A | B | C | | A | B | C |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| To Balance B/d | — | 2,000 | — | By Balance b/d | 5,000 | — | — |
| To Drawings | 8,000 | 16,000 | — | By Salary | 24,000 | 24,000 | 18,000 |
| To Interest on Drawing | 533 | 534 | — | By Interest on Capital | 5,625 | 4,500 | 3,375 |
| To Bal. c/d (b.f.) | 74,036 | 48,322 | 50,142 | By Share of Profit | 47,944 | 38,356 | 28,767 |
| | 82,569 | 66,856 | 50,142 | | 82,569 | 66,856 | 50,142 |

**लाभ का विवरण**

| | | | ₹ |
|---|---|---|---|
| 31-3-2017 को चालू खातों के शेष | | | 1,72,500 |
| **घटाओ** : वेतन | A ₹ 2,000 × 12 = | 24,000 | |
| | B ₹ 2,000 × 12 = | 24,000 | |
| | C ₹ 2,000 × 9 = | 18,000 | (66,000) |
| **घटाओ** : पूँजी पर ब्याज | A | 5,625 | |
| | B | 4,500 | |
| | C | 3,375 | (13,500) |
| **जोड़ो** : आहरण | A | 8,000 | |
| | B | 16,000 | 24,000 |
| **जोड़ो** : आहरण पर ब्याज | A | 533 | |
| | B | 534 | 1,067 |
| | | | 1,18,067 |
| **घटाओ** : 31.3.2016 को चालू खातों के शेष (₹ 5,000 – ₹ 2,000) | | | (3,000) |
| | | | 1,15,067 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

**उदाहरण–4**

आयकर अधिकारी द्वारा श्री मोतीलाल की वर्ष 2015-16 और 2016-17 की आय का निर्धारण करते समय आभास हुआ कि श्री मोतीलाल द्वारा अपनी पूरी आय को प्रकट नहीं किया गया है। 1 अप्रैल, 2015 और 1 अप्रैल, 2017 को उनकी सम्पत्तियों और दायित्वों के निम्नांकित विवरण उपलब्ध हैं :

| | | | ₹ |
|---|---|---|---|
| 1-4-2015 | सम्पत्तियाँ : | हस्तस्थ रोकड़ | 25,500 |
| | | रहतिया | 56,000 |
| | | विविध देनदार | 41,500 |
| | | भूमि एवं भवन | 1,90,000 |
| | | पत्नी के आभूषण | 75,000 |
| | दायित्व : | भाई से उधार / ऋण | 40,000 |
| | | विविध लेनदार | 35,000 |
| 1-4-2017 | सम्पत्तियाँ : | हस्तस्थ रोकड़ | 16,000 |
| | | रहतिया | 91,500 |
| | | विविध देनदार | 52,500 |
| | | भूमि एवं भवन | 1,90,000 |
| | | मोटर कार | 1,25,000 |
| | | पत्नी के अभूषण | 1,25,000 |
| | | भाई को ऋण | 20,000 |
| | दायित्व : | विविध लेनदार | 55,000 |

दो वर्षों के दौरान घरेलू व्यय ₹ 4,000 प्रति माह थे। घोषित आय की राशि ₹ 1,05,000 वर्ष 2015-2016 और ₹ 1,23,000 वर्ष 2016-2017 के लिये है।

बताइये क्या आयकर अधिकारी का कथन सही है। अपनी गणनाएँ साथ में दीजिये।

**हल :**

**श्री मोतीलाल का पूँजी खाता**

| | | 1-4-2015 | | 1-4-2017 |
|---|---|---|---|---|
| | ₹ | ₹ | ₹ | ₹ |
| Assets | | | | |
| Cash in hand | | 25,000 | | 16,000 |
| Inventory | | 56,000 | | 91,500 |
| Sundry debtors | | 41,500 | | 52,500 |
| Land & Building | | 1,90,000 | | 1,90,000 |
| Wife's Jewellery | | 75,000 | | 1,25,000 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Moter Car | | — | | 1,25,000 |
| Loan to Moti's Brother | | — | | 20,000 |
| | | 3,88,000 | | 6,20,000 |
| **Liabilities :** | | | | |
| Owing to Moti's Brother | 40,000 | | — | |
| Sundry creditors | 35,000 | 75,000 | 55,000 | 55,000 |
| Capital | | 3,13,000 | | 5,65,000 |
| Income during the two years : | | | | |
| Capital as on 1-4-2017 | | | | 5,65,000 |
| Add : Drawings – Domestic Expenses for the two years (₹ 4,000 × 24 months) | | | | 96,000 |
| | | | | 6,61,000 |
| Less : Capital as on 1-4-2015 | | | | (3,13,000) |
| Income earned in 2015-2016 and 2016-2017 | | | | 3,48,000 |
| Income declared (₹ 1,05,000 + ₹ 1,23,000) | | | | 2,28,000 |
| Suppressed Income | | | | 1,20,000 |

आयकर अधिकारी का कथन कि श्री मोतीलाल ने अपनी आय की सही घोषणा नहीं की है, सही है। उनकी अघोषित आय ₹ 1,20,000 है।

**4. पूर्ण लेखांकन सूचनाएं प्राप्त करने की तकनीकें** (Techniques of Obtaining Complete Accounting Information)

जब लेखा पुस्तकें अपूर्ण हैं, सर्वप्रथम यह आवश्यक है कि सभी लेनदेनों की दोहरी लेखा प्रणाली में प्रविष्टि की जाय। इसके लिये सम्पूर्ण लेखांकन प्रक्रिया का पालन करना चाहिये तत्पश्चात तलपट की रचना की जाय।

**4.1 सामान्य तकनीकें**

जब लेखा पुस्तकें अपूर्ण होती हैं, सर्वप्रथम यह महत्वपूर्ण है कि सभी लेनदेनों के सम्बन्ध में दोहरी लेखा प्रणाली में परिवर्तित किया जाय तत्पश्चात लाभ–हानि खाता और आर्थिक चिट्ठा तैयार किया जाय, बजाय स्थिति विवरणों के आधार पर लाभ–हानि खातों की राशि का निर्धारण किया जाय। चूँकि विभिन्न फर्मों की पुस्तकें विभिन्न मात्राओं में अपूर्ण होती हैं, अतः कोई सूत्र सुझाना सम्भव नहीं है जिससे सभी का आर्थिक चिट्ठा वहाँ से तैयार किया जा सके। सामान्य नियम के अनुरूप, सर्वप्रथम यह आवश्यक है कि प्रारम्भिक आर्थिक चिट्ठा से सर्वप्रथम लेजर खाते प्रारम्भ किये जायें। तत्पश्चात् मूल प्रविष्टियों सम्बन्धी प्रत्येक पुस्तक पृथक रूप से बनायी जायेगी। उदाहरणार्थ–यदि रोकड़ पुस्तक से केवल व्यक्तिगत खातों की खतौनी की जाती है, नोमीनल खातों की और वास्तविक खातों की खतौनी नहीं की जाती है, उन्हें लेजर खातों में पोस्ट किया जाना चाहिये। यदि रोकड़ पुस्तक में कटौती के कॉलम हैं, प्राप्त एवं देय कटौती के योग को खतौनी खातों में पोस्ट किया जाना चाहिये, जिससे दोहरी लेखा प्रविष्टि हो सके।

तत्पश्चात्, अन्य सहायक पुस्तकें अर्थात् क्रय पुस्तक, विक्रय पुस्तक, वापसी पुस्तक और प्राप्य एवं देय बिल पुस्तकें आदि का योग करके उन्हें लेजर में डेबिट और क्रेडिट किया जाय और उपयुक्त नोमीनल

© The Institute of Chartered Accountants of India

और रीयल खातों में डेबिट एवं क्रेडिट किया जाये। लेनदेनों का व्यक्तिगत पक्ष पहले ही पोस्ट किया जा चुका है।

जब कोई लेखापालक रोकड़ पुस्तक से गैर पोस्टेड मदों की पोस्टिंग में व्यस्त रहा है, उसे अनेक समस्याओं का मुकाबला करना पड़ता है। इनमें से कुछ का यहाँ वर्णन किया गया है।

1. रोकड़ पुस्तक में ऐसी अनेक प्राप्तियाँ हैं जिनका व्यवसाय से कोई सम्बन्ध नहीं है वरन् स्वामी से सम्बन्धित है अर्थात् निजी निवेश पर संगृहीत ब्याज, स्वामी को प्राप्त वसीयतें, स्वामी द्वारा निजी स्रोत से अंशदान आदि। ऐसी सभी राशियाँ पूँजी खाते में क्रेडिट की जानी चाहिये। इसी प्रकार स्वामी की ओर से किये गये भुगतान रोकड़ पुस्तक में हो सकते हैं। ऐसी सभी मदों को पूँजी खाते में डेबिट किया जाना चाहिये।
2. व्यवसाय से सम्बन्धित राशियाँ संग्रहण पश्चात, व्यावसायिक सम्पत्तियों की प्राप्ति में व्यय कर दी गयी हो सकती हैं अथवा कुछ व्ययों के भुगतान में खर्च कर दी गयी हो सकती हैं बजाय उन्हें रोकड़ पुस्तक में जमा करने के। दूसरी ओर स्वामी द्वारा कुछ व्यावसायिक व्ययों का भुगतान उसके निजी स्रोत से किया हो सकता है। ऐसी स्थिति में उपयुक्त सम्पत्ति अथवा व्यय खाता डेबिट किया जाना चाहिये और साधनों के स्रोत क्रेडिट होने चाहिये।
3. यदि रोकड़ में कमी है, क्योंकि व्यवसाय के स्वामी ने बिना रोकड़ पुस्तक में कोई प्रविष्टि किये, राशि आहरित कर ली हो, स्वामी का पूँजी खाता डेबिट किया जाना चाहिये। वास्तव में, सभी अचिन्हित राशियों के सम्बन्ध में स्वामी का पूँजी खाता डेबिट या क्रेडिट किया जाना चाहिये, जिनका अन्यथा कोई समायोजन नहीं किया जा सके।
4. यदि कभी किसी व्यय सम्बन्धी मद का लाभ व्यवसाय और स्थायी दोनों को प्राप्त हुआ है, तब इसका आंबटन दोनों के मध्य समता पूर्ण आधार पर करना चाहिए, जैसे–उस भवन का किराया जिसमें स्वामी का भी आवास है, इसका आबंटन प्रयुक्त फ्लोर एरिया आधार पर होना चाहिए।

अंत में, तलपट की रचना सम्भव हो सकेगी। विद्यार्थियों को परामर्श है कि वे सदैव ऐसा करें समायोजनों में की गयी कोई त्रुटि प्रकट हो सकेगी।

## 4.2 रोकड़ पुस्तक से सूचनाएँ प्राप्त करना

रोकड़ एवं बैंक की प्राप्तियों और भुगतानों का विश्लेषण विस्तृत होना चाहिये परन्तु प्रमुख शीर्षकों के अधीन, जिससे आय एवं व्यय की विभिन्न मदों को लेजर में पोस्ट करना आवश्यक है। यद्यपि, सूचना की लेजर में पोस्टिंग से पूर्व उसको लेजर के रूप में कलेक्ट किया जाना चाहिये, जिसका नमूना नीचे प्रदर्शित है।

**वर्ष के अन्त में रोकड़ एवं बैंक समरी खाता (काल्पनिक राशियाँ)**

| | Cash ₹ | Bank ₹ | | Cash ₹ | Bank ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| To Balance in hand (opening) | 590 | 7,400 | By Expenses (Sundry payments) | 3,000 | – |
| | | | By Purchases | 100 | 6,000 |
| To Sale | 6,500 | – | By Sundry creditors | – | 5,000 |
| To Collection for debtors | – | 10,000 | By Drawings | 1,500 | – |
| | | | By Petty expenses | 800 | – |

© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | By Rent | – | 1,000 |
| | | | By Electricity and water | 350 | – |
| | | | By Repairs | 350 | – |
| | | | By Wages | – | 1,000 |
| | | | By Balance in Hand | 990 | 4,400 |
| | 7,090 | 17,400 | | 7,090 | 17,400 |

अपूर्ण रिकॉर्ड्स के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण बिन्दु यह है कि अधिकांश सूचनाएँ तुरंत उपलब्ध नहीं होती हैं और प्रासंगिक सूचनाएँ निर्धारित करनी होती हैं। एक अच्छी बात है कि रोकड़ एवं बैंक सारांश तैयार करें (यदि दोनों पक्षों के मिलन के बाद भी उचित रूप में उपलब्ध नहीं है) अंतिम रोकड़ एवं बैंक शेष का मिलान रोकड़ एवं बैंक खाते से करना चाहिये। ऐसा करने पर भी, सारांश विवरण की विभिन्न मदें, लेजर में पोस्ट की जानी चाहिये।

ऐसा भी हो सकता है कि कुछ अज्ञात सूचनाएँ उपलब्ध होंगी। किसी फर्म के निम्नांकित विवरण 2016 से सम्बन्धित आपके लिये उपलब्ध हैं :

| | ₹ |
|---|---|
| I$^{st}$ ... 2016 को रोकड़ शेष | 250 |
| I$^{st}$ ... 2016 को बैंक अधिविकर्ष | 5,400 |
| नकद क्रय | 3,000 |
| देनदारों से संग्रहण | 45,600 |
| पुराने फर्नीचर का विक्रय | 750 |
| मशीनरी का क्रय | 12,000 |
| विविध लेनदारों को भुगतान | 26,370 |
| व्यय | 8,450 |
| नवीन पूँजी | 5,000 |
| आहरण | 3,230 |
| 31 दिसम्बर, 2016 को रोकड़ शेष | 310 |
| 31 दिसम्बर, 2016 को बैंक शेष | 1,180 |

अब नकद एवं बैंक सारांश तैयार करते हैं :

**नकद एवं बैंक सारांश**

Dr. Cr.

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| नकद शेष 1.1.2016 | 250 | बैंक अधिविकर्ष | 5,400 |
| देनदारों से संग्रहण | 45,600 | नकद क्रय | 3,000 |
| पुराने फर्नीचर का विक्रय | 750 | मशीनरी का क्रय | 12,000 |
| नवीन पूँजी | 5,000 | लेनदारों को भुगतान | 26,370 |
| शेष राशि | 8,340 | व्यय | 8,450 |
| | | आहरण | 3,230 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | रोकड़ शेष 31.12.2016 | 310 |
| | | बैंक शेष 31.12.2016 | 1,180 |
| | 59,940 | | 59,940 |

डेबिट पक्ष में कमी की राशि ₹ 8,340 है। रोकड़ अन्तर्प्रवाह का क्या स्रोत हो सकता है।

शायद नकद विक्रय।

### 4.3 विक्रय लेजर एवं क्रय लेजर का विश्लेषण

**विक्रय लेजर** : इससे देनदारों के प्रारम्भिक शेष, उनका विक्रय, प्राप्य बिलों का अनादरण, यदि है; लेखांकन अवधि में प्राप्त रोकड़ कटौती, छूट और अन्य कोई स्वीकृति रियायत, प्राप्य बिलों की प्राप्ति, आन्तरिक वापसी, अप्राप्त ऋण/अपलिखित एवं अन्तरण सम्बन्धी विवरण प्रकट होगा। सम्बन्धित खातों को डेबिट/क्रेडिट करके जर्नल प्रविष्टियाँ की जानी चाहिये। कुल देनदारी खातों से डेबिट या क्रेडिट द्वारा विपरीत लेखा किया जाना चाहिये।

**Analysis of Sales Ledger of the Year**

| OP Customer Balance | Sales | Bills Disho-noured | Total Debit | Cash Recd. | Discounts Allowed | Bills Recd. | Sales Returns | Bad Debts | Total Credit | Balace (cl.) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

उपरोक्त प्रारूप से विक्रय एवं अन्य खातों सम्बन्धी सूचनाओं को लिपिबद्ध करना सम्भव होगा। इसकी सहायता से कुल देनदार लेखा भी तैयार किया जा सकता है।

**निम्नांकित रूप में खाता** :

**कुल देनदार खाता (काल्पनिक समंक)**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| प्रारम्भिक शेष | 5,000 | नकद बैंक | 10,000 |
| विक्रय | 38,000 | कटौती | 500 |
| अनादृत बिल्स | 280 | प्राप्य बिल्स | 20,000 |
| ब्याज | 100 | अप्राप्त ऋण | 280 |
| | | अन्तिम शेष | 12,600 |
| | 43,380 | | 43,380 |

यह स्पष्ट है कि कुल देनदार खाते से कोई भी एक मद ज्ञात की जा सकती हैं यदि अन्य राशियाँ उपलब्ध हों। उदाहरणार्थ, विक्रय की सूचना उपलब्ध नहीं है, इसको अंतर राशि के रूप में ज्ञात किया जा सकता है, जैसे उपरोक्त प्रस्तुत कुल देनदार खाते में यदि अन्य राशियाँ प्रकट हैं, उधार विक्रय की राशि सरलता से निकाली जा सकती है।

**क्रय लेजर** : सामान्य शब्दों में, क्रय लेजर इतना अधिक कामन रूप से विद्यमान नहीं होता जितना कि देनदार लेजर होता है क्योंकि अदत्त दायित्वों के सम्बन्ध में प्रविष्टि करना तब सरल होता है जब उनको भुगतान किया जाता है न कि तब जब वे हुई हैं। लेनदार, उधार क्रय अनादृत देय विपत्र, वर्ष के

© The Institute of Chartered Accountants of India

दौरान लेनदारों को भुगतान, कटौती एवं अन्य रियायतें प्राप्त, बाह्य वापसी एवं अन्तरण के प्रारम्भिक शेष ज्ञात किये जा सकते हैं। यहाँ भी, सम्बन्धित अव्यक्तिगत खातों को डेबिट या क्रेडिट करके जर्नल प्रविष्टियाँ दी जा सकती हैं। कुल लेनदार खाते में विपरीत डेबिट या क्रेडिट किये जा सकते हैं।

यदि लेनदारों को वापसी, स्वीकृत कटौतियाँ आदि का समुचित रिकॉर्ड नहीं रखा गया है, तब कुल लेनदार खाते की रचना सम्भव नहीं है। ऐसी स्थिति में शुद्ध उधार क्रय की राशि निम्नांकित रूप में संगणित की जा सकती है :

| | | ₹ |
|---|---|---|
| वर्ष के दौरान चुकता रोकड़ एवं निर्गमित देय विपत्र | | xxx |
| लेनदार एवं देय विपत्रों का अंतिम शेष | | xxx |
| घटाओ : लेनदार एवं देय विपत्रों का प्रारम्भिक | | योग |
| | **शेष** | (–) (–) |
| अवधि के दौरान शुद्ध उधार क्रय | | अंतर राशि |
| वैकल्पिक रूप से | | |
| लेनदारों को अवधि के दौरान भुगतान | | xxx |
| जोड़ा : देय विपत्र निर्गमित | | xx |
| लेनदारों का अंतिम शेष | | योग |
| घटाओ : लेनदारों का प्रारम्भिक शेष | | (–) (–) |
| अवधि के दौरान उधार क्रय | | शेष राशि |

यह सूचना खाते के रूप में भी प्रकट की जा सकती है, जैसा कि कुल देनदार खाते में प्रस्तुत की गयी है।

**आय–व्यय खाते** : यह सम्भव है कि आय–व्यय खाते के शेष से प्रकट कुल व्यय की राशि उस अवधि से सम्बन्धित न हो जिस अवधि के खाते तैयार किये जा रहे हैं और ऐसा भी हो सकता है कि कुछ व्यय हो गये हों और उनको चुकता नहीं किया गया है, जो इसमें शामिल भी नहीं हैं। इस कारण से, प्रत्येक खाता नीचे प्रदर्शित रीति में समायोजित किया जाना आवश्यक है (काल्पनिक राशियाँ) :

| | **Cash and Particulars** | **Amount Bank Payment** | **Paid out of Accrued** | **Total Private Fund** | **Pre Payment** | **Expenses for the period** |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5(2 + 3 + 4)** | **6** | **7 (5 – 6)** |
| | ₹ | ₹ | ₹ | ₹ | ₹ | ₹ |
| किराया एवं दर | 2,200 | 300 | 100 | 2,600 | 150 | 2,450 |
| वेतन | 4,500 | 500 | 1,000 | 6,000 | 250 | 5,750 |

केवल "अवधि के व्यय" कॉलम में प्रदर्शित राशि को ही सम्बन्धित आय–व्यय खाते में पोस्ट करना चाहिये। इसी प्रकार का समायोजन राजस्व प्राप्तियों (आय) के सम्बन्ध में भी करना चाहिये।

पैरा 4.2 में प्रस्तुत उदाहरण को आगे बढ़ाते हुए कुछ अन्य सूचनाएँ दी गयी हैं, जिनसे उधार क्रय एवं उधार विक्रय की राशि की गणना को समझाया गया है :

© The Institute of Chartered Accountants of India

| प्रारम्भिक शेष (1-1-2016) | ₹ |
|---|---|
| रहतिया | 20,000 |
| विविध लेनदार | 12,300 |
| विविध देनदार | 15,000 |
| अन्तिम शेष (31.12.2016) | |
| रहतिया | 15,000 |
| विविध लेनदार | 13,800 |
| विविध देनदार | 25,600 |
| 2016 में प्राप्त कटौतियाँ | 1,130 |
| स्वीकृति कटौती | 1,870 |

2016 की क्रय कितनी है? इसके लिये विविध लेनदार खाता बनाना है।

**Sundry Creditors Account**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Cash (example in para 4·2) | 26,370 | By Balance b/d (opening) | 12,300 |
| To Discount (received) | 1,130 | | |
| By Balance c/d (closing) | 13,800 | By Purchases (balancing figure) | 29,000 |
| | 41,300 | | 41,300 |

उधार क्रय की राशि ₹ 29,000 है। नकद क्रय हैं ₹ 3,000 (पैरा 4.2) में उदाहरण :

अतः कुल क्रय = ₹ 32,000

इसी प्रकार विविध देनदार खाता बनायें।

**Sundry Debtors Account**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Balance b/d | 15,000 | By Cash (example in para 4·2) | 45,600 |
| To Credit sales (balancing figure) | 58,070 | By Discount (allowed) | 1,870 |
| | | By Balance c/d | 25,600 |
| | 73,070 | | 73,070 |

अतः कुल विक्रय = उधार विक्रय + नकद विक्रय

= ₹ 58,070 + ₹ 8,340 (4.2 पैरा में उदाहरण) = ₹ 66,410

### 4.4 व्यावसायिक व्ययों और आहरण में अंतर

जैसा कि पहले बताया जा चुका है कि प्रायः व्यावसायिक व्ययों और आहरण के मध्य अन्तर नहीं किया जाता है। अपूर्ण रिकॉर्ड्स से खाते बनाते समय, व्यावसायिक लेनदेनों को सावधानी पूर्वक ढूँढ़ना चाहिए जिससे कि आहरण के अस्तित्व का ज्ञान हो सके।

© The Institute of Chartered Accountants of India

**आहरण की प्रमुख मदें हैं (उदाहरणार्थ)**

1. ऐसे भवन का किराया स्वामी का निवास और व्यापार का स्थान, दोनों हो;
2. कॉमन बिजली एवं टेलीफोन बिल;
3. व्यावसायिक रोकड़ से स्वामी/साझेदारों के जीवन बीमा प्रीमियम का भुगतान;
4. व्यावसायिक रोकड़ से घरेलू व्ययों की पूर्ति;
5. व्यवसाय की रोकड़ से मित्रों एवं रिश्तेदारों को ऋण;
6. मित्रों और रिश्तेदारों को उपहार व्यापार की रोकड़ से;
7. व्यवसाय के माल/सेवाओं का व्यक्तिगत उपभोग;
8. पारिवारिक व्ययों के लिये नकद आहरण।

अतः नकद लेन–देनों को स्कैन करना जरूरी है, व्यवसाय के संसाधन और उनके उपयोग की पड़ताल से आहरण की प्रकृति का ज्ञान हो सकता है।

### 4.5 स्वामियों/साझेदारों द्वारा नवीन निवेश

आहरण की भाँति स्वामियों/साझेदारों द्वारा किया गया नया निवेश शीघ्रता से पहचान योग्य नहीं होता है। इसके व्यवसाय के लेनदेनों को सावधानीपूर्वक स्कैन करना आवश्यक है। नकद निवेश के अतिरिक्त नवीन निवेश निम्नांकित रूपों में हो सकता है :

- स्वामियों / साझेदारों की जीवन बीमा पॉलिसी की परिपक्वता राशि का व्यवसाय में नियोजन;
- निजी निवेशों की ब्याज/लाभांश का संग्रहण पश्चात व्यवसाय में रखना;
- गैर व्यावसायिक सम्पत्तियों से वसूल किराया व्यापार में रखना।

जब तक इन मदों को उपयुक्त रूप से चिन्हित नहीं किया जाता है, व्यवसाय की आय प्रभावित होगी और उचित स्थिति विवरण तैयार नहीं किया जा सकता है।

**उदाहरण–5**

श्री शिव कुमार के व्यवसाय से सम्बन्धित निम्नांकित सूचनाओं से आप से अनुरोध है कि 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिये लाभ–हानि खाता और आर्थिक चिट्ठा तैयार करें :

**(a)**

| | **Balance as on 31st March, 2016 ₹** | **Balance as on 31st March, 2017 ₹** |
|---|---|---|
| भवन | 3,20,000 | 3,60,000 |
| फर्नीचर | 60,000 | 68,000 |
| मोटर कार | 80,000 | 80,000 |
| रहतिया | ? | 40,000 |
| देय विपत्र | 28,000 | 16,000 |
| नकद एवं बैंक | 1,80,000 | 1,04,000 |
| विविध देनदार | 1,60,000 | ? |
| प्राप्य विपत्र | 32,000 | 28,000 |
| विविध लेनदार | 1,20,000 | ? |

© The Institute of Chartered Accountants of India

**(b) वर्ष के दौरान नकद लेनदेनों में निम्नांकित मदें शमिल हैं :**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| रद्दी अखबार का विक्रय एवं फुटकर आय | 20,000 | नकद क्रय | 48,000 |
| विविध व्यापारिक व्यय (वेतन में शामिल हैं) | 80,000 | लेनदारों को भुगतान | 1,84,000 |
| देनदारों से संग्रहण | 2,00,000 | नकद विक्रय | 80,000 |

**(C) अन्य सूचनाएँ :**

- वर्ष के दौरान लिखे गये प्राप्य विपत्र ₹ 20,000 और देय विपत्र स्वीकृत ₹ 16,000,
- कुछ पुराने फर्नीचर की मदें जिनका 31 मार्च, 2016 को अपलिखित मूल्य ₹ 20,000 था, उन्हें 30 सितम्बर, 2016 को बेचा ₹ 8,000, भवन एवं फर्नीचर पर ह्रास की दर 10% लागू है, और मोटर कार पर 20%, वर्ष के विक्रीत फर्नीचर पर 6 माह का ह्रास लगाना है और भवन में वृद्धि पर पूर्ण वर्ष का ह्रास लगाना है।
- देनदारों से ₹ 8,000 की राशि अपलिखित करके अप्राप्त एवं संदिग्ध ऋणों पर 2% संचय का प्रावधान करें।
- श्री शिव कुमार आवर्त पर 30% सकल लाभ की दर बनाये रखते हैं।
- 31 मार्च, 2016 को अदत्त वेतन ₹ 8,000 और मार्च, 2017 को ₹ 10,000 है। 31 March, 2016 को लाभ–हानि खाते के क्रेडिट में ₹ 40,000 का क्रेडिट शेष है।
- कुल क्रय या विक्रय का 20% नकद व्यवहार है।
- वर्ष के प्रारम्भ में फर्नीचर में वृद्धि की गयी है और अप्राप्त ऋणों के लिये कोई प्रारम्भिक प्रावधान नहीं था।

**हल : Trading and Profit and Loss Account of Mr. Shiv Kumar for the year ended 31st March, 2017**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Opening inventory (balancing figure) | 80,000 | By Sales (3,20,000* × 100/80) | 4,00,000 |
| | | By Closing inventory | 40,000 |
| To Purchases (1,92,000 × 100/80) | 2,40,000 | | |
| To Gross Profit c/d @ 30% on sales | 1,20,000 | | |
| | 4,40,000 | | 4,40,000 |
| To Miscellaneous expenses (₹ 80,000 – ₹ 8,000 + ₹ 10,000) | 82,000 | By Gross profit b/d | 1,20,000 |
| | | By Miscellaneous receipts | 20,000 |
| | | By Net loss transferred to Capital A/c (b.f.) | 25,840 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| To Depreciation : | | | | |
| Building | ₹ 36,000 | | | |
| Furniture | ₹ 7,800 | | | |
| (₹ 6,800 + ₹ 1,000) | | | | |
| Motor Car | ₹ 16,000 | 59,800 | | |
| To Loss on sale of furniture | | 11,000 | | |
| To Bad debts | | 8,000 | | |
| To Provision for doubtful debts | | 5,040 | | |
| | | 1,65,840 | | 1,65,840 |

**Balance Sheet of Mr. Shivkumar**
**as on 31st March, 2017**

| Liabilities | ₹ | ₹ | Assets | ₹ | ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| Capital as on Ist | | 7,16,000 | Building | 3,20,000 | |
| April, 2016 | | | Add : Addition | 40,000 | |
| | | | during the year | | |
| Profit and Loss A/c | 40,000 | | Less: Provision for | 3,60,000 | |
| | | | depreciation | (36,000) | |
| Opening balance | | | | | 3,24,000 |
| Less : Loss for the | (25,840) | 14,160 | Furniture | 60,000 | |
| year | | | Less : Sold during | | |
| Sundry creditors | | 1,12,000 | the year | (20,000) | |
| Bills payable | | 16,000 | | 40,000 | |
| Outstanding | | | Add : Addition during | 28,000 | |
| Salary | | 10,000 | the year | 68,000 | |
| | | | Less : Depreciation | (6,800) | 61,200 |
| | | | Motor car (at cost) | 80,000 | |
| | | | Less : Depreciation | (16,000) | 64,000 |
| | | | Inventory in trade | | 40,000 |
| | | | Sundry debtors | 2,52,000 | |
| | | | Less : Provision for | | |
| | | | doubtful debts @ 2% | (5,040) | 2,46,960 |
| | | | Bills receivable | | 28,000 |
| | | | Cash in hand and at | | |
| | | | bank | | 1,04,000 |
| | | 8,68,160 | | | 8,68,160 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

**Working Notes :**

(i) **Sundry Debtors Account**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Balance b/d | 1,60,000 | By Cash Bank A/c | 2,00,000 |
| To Sales A/c (credit)[1] | 3,20,000 | By Bills Receivable A/c | 20,000 |
| | | By Bad debts A/c | 8,000 |
| | | By Balance c/d (bal. fig.) | 2,52,000 |
| | 4,80,000 | | 4,80,000 |

(ii) **Sundry Creditors Account**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Cash/Bank A/c | 1,84,000 | By Balance b/d | 1,20,000 |
| To Bills Payable A/c | 16,000 | By Purchases A/c[2] | 1,92,000 |
| By Balance c/d | 1,12,000 | | |
| (bal. fig.) | 3,12,000 | | 3,12,000 |

(iii) **Bills Receivable Account**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Balance b/d | 32,000 | By Cash/Bank A/c (bal. fig.) | 24,000 |
| To Sundry Debtors A/c | 20,000 | By Balance c/d | 28,000 |
| | 52,000 | | 52,000 |

(iv) **Bills Payable Account**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Cash/Bank A/c (bal. fig.) | 28,000 | By Balance b/d | 28,000 |
| To Balance c/d | 16,000 | By Sundry Creditors A/c | 16,000 |
| | 44,000 | | 44,000 |

(v) **Furniture Account**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Balance b/d | 60,000 | By Bank/Cash A/c | 8,000 |
| To Bank A/c (b.f.) | 28,000 | By Depreciation A/c (on furniture sold) | 1,000 |
| | | By Profit and loss A/c (loss on sale) (20,000 – 1,000 – 8,000) | 11,000 |
| | | By Depreciation A/c (68,000 × 10%) | 6,800 |
| | | By Balance c/d (68,000 – 6,800) | 61,200 |
| | 88,000 | | 88,000 |

(vi) **Cash/Bank Account**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Balance b/d | 1,80,000 | By Misc. trade expenses A/c | 80,000 |
| To Miscellaneous receipts A/c | 20,000 | By Purchases A/c | 48,000 |

[1] Total sales (80,000 × 100/20) – cash sales (80,000)

[2] Total purchases (48,000 × 10/20) – cash purchases (48,000)

© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | | |
|---|---|---|---|
| To Sundry debtors A/c | 2,00,000 | By Furniture A/c | 28,000 |
| To Sales A/c | 80,000 | By Sundry creditors A/c | 1,84,000 |
| To Furniture A/c (sale) | 8,000 | By Bills payable A/c | 28,000 |
| To Bills receivable A/c | 24,000 | By Building A/c (3,60,000 – 3,20,000) | 40,000 |
| | | By Balance c/d | 1,04,000 |
| | 5,12,000 | | 5,12,000 |

(vii) **Opening Balance Sheet of Mr. Shivkumar as on 31st March, 2016**

| Liabilities | ₹ | Assets | ₹ |
|---|---|---|---|
| Capital (balancing figure) | 7,16,000 | Building | 3,20,000 |
| Profit and loss A/c | 40,000 | Furniture | 60,000 |
| Sundry Creditors | 1,20,000 | Motor Car | 80,000 |
| Bills Payable | 28,000 | Inventory in trade | 80,000 |
| Oustanding salary | 8,000 | Sundry Debtors | 1,60,000 |
| | | Bills Receivable | 32,000 |
| | | Cash in hand and at bank | 1,80,000 |
| | 9,12,000 | | 9,12,000 |

**उदाहरण–6**

अरविन्द आहूजा अपनी पुस्तकें एकल प्रविष्टि आधार पर रखते हैं। 31 दिसम्बर, 2016 को समाप्त वर्ष के लिये रोकड़ पुस्तक का विश्लेषण नीचे प्रस्तुत है

(vi) **Cash/Bank Account**

| Receipts | ₹ | Payments | ₹ |
|---|---|---|---|
| Bank Balance as on Ist January, 2016 | 2,800 | Payment to Sundry creditors | 35,000 |
| | | Salaries | 6,500 |
| Received from Sundry Debtors | 48,000 | General expenses | 2,500 |
| Cash Sales | 11,000 | Rent and Taxes | 1,500 |
| Capital brought during the year | 6,000 | Drawings | 3,600 |
| Interest on Investments | 200 | Cash Purchases | 12,000 |
| | | Balance at Bank on 31st Dec., 2016 | 6,400 |
| | | Cash in hand on 31 st dec., 2016 | 500 |
| | 68,000 | | 68,000 |

अन्य सम्पत्तियों और दायित्वों के विवरण निम्नांकित हैं

| | 1st January, 2016 | 31st December, 2016 |
|---|---|---|
| Sundry debtors | 14,500 | 17,600 |
| Sundry creditors | 5,800 | 7,900 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | |
|---|---|---|
| Machinery | 7,500 | 7,500 |
| Furniture | 1,200 | 1,200 |
| Inventory | 3,900 | 5,700 |
| Investments | 5,000 | 5,000 |

31 दिसम्बर, 2016 को समाप्त वर्ष के लिये मशीनरी एवं फर्नीचर पर 10% ह्रास और अप्राप्त ऋणों के लिये ₹ 800 प्रावधान के साथ, अन्तिम खाते तैयार कीजिये।

**Solution :**

**अरविन्द आहूजा**

**Trading and Profit & Loss Account for the year ended 31-12-2016**

| | ₹ | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|---|
| To Opening Inventory | | 3,900 | By Sales | 62,100 |
| To Purchases | | 49,100 | By Closing Inventory | 5,700 |
| To Gross profit c/d (b.f.) | | 14,800 | | |
| | | 67,800 | | 67,800 |
| To Salaries | | 6,500 | By Gross Profit b/d | 14,800 |
| By Rent and Taxes | | 1,500 | By Interest on Investment | 200 |
| To General expenses | | 2,500 | | |
| To Depreciation : | | | | |
| Machinery @ 10% | 750 | | | |
| Furniture @ 10% | 120 | 870 | | |
| To Provision for doubtful debts | | 800 | | |
| To Balance being profit | | | | |
| carried to Capital A/c (b.f.) | | 2,830 | | |
| | | 15,000 | | 15,000 |

**Balance Sheet as on 31st December, 2016**

| **Liabilities** | ₹ | ₹ | **Assets** | ₹ | ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| Arvind Ahuja Capital | | | Machinery | 7,500 | |
| on 1st January, 2016 | 29,100 | | Less : Depreciation | (750) | 6,750 |
| Add : Fresh Capital | 6,000 | | Furniture | 1,200 | |
| Add : Profit for the year | 2,830 | | Less : Depreciation | (120) | 1,080 |
| | 37,930 | | | | |
| Less : Drawings | (3,600) | 34,330 | Inventory-in-trade | | 5,700 |
| | | | Sundry debtors | 17,600 | |
| Sundry creditors | | 7,900 | Less : provision for | | |
| | | | Doubtful debts | (800) | 16,800 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | Investment | 5,000 |
| | | | Cash at bank | 6,400 |
| | | | Cash in hand | 500 |
| | | 42,230 | | 42,230 |

**Working Notes :**

**1. Balance Sheet of A. Ahuja as on 1-1-2016**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| Sundry creditors | 5,800 | Machinery | 7,500 |
| A. Ahuja's Capital | 29,100 | Furniture | 1,200 |
| (balancing figure) | | Inventory | 3,900 |
| | | Sundry debtors | 14,500 |
| | | Investments | 5,000 |
| | | Bank balance (from Cash Statement) | 2,800 |
| | 34,900 | | 34,900 |

**Ledger Accounts**

**A. Ahuja's Capital Account**

| | | ₹ | | | ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| Dec. 31 | To Drawings | 3,600 | Jan. 31 | By Balance | 29,100 |
| Dec. 31 | To Balance c/d (b.f.) | 31,500 | Dec. 31 | By Cash | 6,000 |
| | | 35,100 | | | 35,100 |

**Sales Account**

| | | ₹ | | | ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| Dec. 31 | To Trading A/c (b.f.) | 62,100 | Dec. 31 | By Cash | 11,000 |
| | | | Dec. 31 | By Total Debtors A/c | 51,100 |
| | | 62,100 | | | 62,100 |

**Total Debtors Account**

| | | ₹ | | | ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| Jan. 31 | To Balance b/d | 14,500 | Dec. 31 | By Cash | 48,000 |
| Dec. 31 | To Credit sales | 51,100 | Dec. 31 | By Balance c/d | 17,600 |
| | (Balancing figure) | | | | |
| | | 65,600 | | | 65,600 |
| Jan. 1 | To Balance b/d | 17,600 | | | |

**Purchases Account**

| | | ₹ | | | ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| Dec. 31 | To Cash A/c | 12,000 | Dec. 31 | By Trading Account (b.f.) | 49,100 |
| | To Total Creditors A/c | 37,100 | | | |
| | | 49,100 | | | 49,100 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

**Total Creditors Account**

| | | ₹ | | | ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| Dec. 31 | To Cash | 35,000 | Jan. 1 | By Balance b/d | 5,800 |
| Dec. 31 | To Balance b/d | 7,900 | Dec. 31 | By Credit Purchases (Balancing figure) | 37,100 |
| | | 42,900 | | | 42,900 |

**उदाहरण 7**

निम्नांकित समंकों से 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ–हानि खाता और उसी तिथि को आर्थिक चिट्ठा तैयार कीजिए। सभी गणनाएँ आपके उत्तर का भाग होना चाहिये।

| **Bttfut!boe!Mjbcjmjujft** | **As on I$^{st}$ April, 2016** ₹ | **As on 31$^{st}$ March, 2017** ₹ |
|---|---|---|
| Creditors | 15,770 | 12,400 |
| Sundry expenses outstanding | 600 | 330 |
| Sundry Assets | 11,610 | 12,040 |
| Inventory in trade | 8,040 | 11,120 |
| Cash in hand and at bank | 6,960 | 8,080 |
| Trade debtors | ? | 17,870 |
| Details relating to transactions in the year : | | |
| Cash and discount credited to debtors | | 64,000 |
| Sales return | | 1,450 |
| Bad debts | | 420 |
| Sales (cash and credit) | | 71,810 |
| Discount allowed by trade creditors | | 700 |
| Purchase returns | | 400 |
| Additional capital-paid into Bank | | 8,500 |
| Realisations from debtors-paid into Bank | | 62,500 |
| Cash Purchases | | 1,030 |
| Cash expenses | | 9,570 |
| Paid by cheque for machinery purchased | | 430 |
| Household expenses drawn from Bank | | 3,180 |
| Cash paid into Bank | | 5,000 |
| Cash drawn from Bank | | 9,240 |
| Cash in hand on 31.3.2017 | | 1,200 |
| Cheques issued to trade creditors | | 60,270 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

**Solution :**

**Trading and Profit & Loss Account**
**for the year ending 31st March, 2017**

| | ₹ | ₹ | | ₹ | ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| To Opening Inventory | | 8,040 | By Sales : | | |
| | | | Cash | 4,600 | |
| To Purchases | 59,030 | | Credit | 67,210 | |
| (58,000 + 1,030) | | | | | |
| Less : Returns | (400) | 58,630 | | 71,810 | |
| To Gross Profit c/d (b.f.) | | 14,810 | Less : Returns | (1,450) | 70,360 |
| | | | By Closing | | 11,120 |
| | | | inventory | | |
| | | **81,480** | | | **81,480** |
| To Sundry expenses (W.N.(v) | | 9,300 | By Gross profit b/d | | 14,810 |
| To Discount | | 1,500 | By Discount | | 700 |
| To Bad Debts | | 420 | | | |
| To Net Profit transfer to | | | | | |
| Capital (b.f.) | | 4,290 | | | |
| | | **15,510** | | | **15,510** |

**Balance Sheet of M/s**
**as on 31st March, 2017**

| **Liabilities** | ₹ | ₹ | **Assets** | ₹ |
|---|---|---|---|---|
| Capital | | | Sundry assets | 12,040 |
| Opening balance | 26,770 | | Inventory in trade | 11,120 |
| Add : Addition | 8,500 | | Sundry debtors | 17,870 |
| Net Proft | 4,290 | | Cash in hand & at bank | 8,080 |
| | 39,560 | | | |
| Less : Drawings | (3,180) | 36,380 | | |
| Sundry creditors | | 12,400 | | |
| Outstanding expenses | | 330 | | |
| | | **49,110** | | **49,110** |

**Working Notes :**
**(i) Cash sales**

**Combined Cash & Bank Account**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Balance b/d | 6,960 | By Sundry creditors | 60,270 |
| To Sundires (Contra) | 5,000 | By Sundries (Contra) | 5,000 |
| To Sundries (Contra) | 9,240 | By Sundries (Contra) | 9,240 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| To Sundry debtors | | 62,500 | By Drawings | 3,180 |
| To Capital A/c | | 8,500 | By Machinery | 430 |
| To Sales (Cash Sales-Balancing Figure) | | 4,600 | By Sundry expenses | 9,570 |
| | | | By Purchases | 1,030 |
| | | | By Balance c/d | 8,080 |
| | | 96,800 | | 96,800 |

(ii) **Total Debtors Account**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Balance b/d | 16,530 | By Bank | 62,500 |
| (Balancing figure) | | By Discount (64,000 – 62,500) | 1,500 |
| To Sales (71,810 – 4,600)[3] | 67,210 | By Return Inward | 1,450 |
| | | By Bad Debts | 420 |
| | | By Balance c/d | 17,870 |
| | 83,740 | | 83,740 |

(iii) **Total Creditors Account**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Bank | 60,270 | By Balance b/d | 15,770 |
| To Discount | 700 | By Purchases | 58,000 |
| To Return Outward | 400 | (Balancing figure) | |
| To Balance c/d | 12,400 | | |
| | 73,770 | | 73,700 |

(iv) **Balance Sheet as on Ist April, 2016**

| **Liabilities** | ₹ | **Assets** | ₹ |
|---|---|---|---|
| To (balancing figure) | 26,770 | Sundry Assets | 11,610 |
| Sundry Creditors | 15,770 | Inventory in Trade | 8,040 |
| Outstanding Expenses | 600 | Sundry Debtors (from total debtors A/c) | 16,530 |
| | | Cash in hand & at bank | 6,960 |
| | 43,140 | | 43,140 |

(v)

| | (₹) |
|---|---|
| Expenses paid in Cash | 9,570 |
| Add : Outstanding on 31-3-2017 | 330 |
| | 9,900 |
| | (600) |
| Less : Outstanding on 1-4-2016 | 9,300 |

[3] From combined cash and bank account

© The Institute of Chartered Accountants of India

(vi) सूचनाओं के अभाव में स्थायी सम्पत्तियों पर ह्रास में संगणित नहीं किया गया है।

**उदाहरण–8**

अनूप का थोक व्यापार है जहां सभी क्रय एवं विक्रय उधार किये जाते हैं। उसने निम्नांकित अन्तिम शेष प्रस्तुत किये हैं :

| | 31-12-2015 | 31-12-2016 |
|---|---|---|
| Sundry Debtors | 70,000 | 92,000 |
| Bills receivable | 15,000 | 6,000 |
| Bills payable | 12,000 | 14,000 |
| Sundry creditors | 40,000 | 56,000 |
| Inventory | 1,10,000 | 1,90,000 |
| Bank | 90,000 | 87,000 |
| Cash | 5,200 | 5,300 |

वर्ष 2016 के दौरान नकद लेनदेनों का सारांश इस प्रकार है :

(i) दुकान व्यय @ ₹ 600 प्रति माह, वेतन @ ₹ 9,200 प्रति माह और व्यक्तिगत व्यय @ ₹ 1,400 प्रति माह, ₹ 7,62,750 बैंक में जमा किये

(ii) आहरण ₹ 1,21,000

(iii) पूर्तिकर्ताओं को भुगतान ₹ 77,200 पूर्तियों के लिए और ₹ 25,000 फर्नीचर के लिये

(iv) ग्राहकों से संगृहीत चेक अनादृत हुए ₹ 5,700

(v) ग्राहकों द्वारा स्वीकृत ब्रिकी ₹ 40,000

(vi) बिलों का बेचान ₹ 10,000

(vii) बिलों का भुनाना ₹ 20,000, कटौती ₹ 750.

(viii) परिपक्व बिल्स का संग्रहण ₹ 16,000.

(ix) बिलों की स्वीकृति ₹ 24,000.

(x) चेक द्वारा पूर्तिकर्ताओं को भुगतान ₹ 3,20,000

(xi) चेक द्वारा स्वामी की जीवन बीमा पॉलिसी परिपक्वता राशि ₹ 20,000 प्राप्त हुई

(xii) चेक द्वारा स्वामी की सम्पत्ति का किराया ₹ 14,000 प्राप्त किया

(xiii) 31-11-2016 को शाखा खोलने के लिये भवन क्रय किया गया ₹ 3,50,000 और भवन पर कुछ व्यय हुए जिनका विवरण उपलब्ध नहीं है।

(xiv) बिजली एवं टेलीफोन के बिल नकद चुकता ₹ 18,700, देय ₹ 2,200

**अन्य लेनदेन** : (i) फर्म के विरुद्ध एक क्षति का दावा ₹ 1,55,000 कानूनी विवाद में है। कानूनी व्यय ₹ 17,000 इस बाद में हार प्रत्याशित है।

(ii) पूर्तिकर्ताओं को वापसी ₹ 4,200

(iii) ग्राहकों द्वारा वापसी ₹ 1,200

(iv) पूर्तिकर्ताओं द्वारा स्वीकृति कटौती ₹ 2,700

(v) ग्राहकों को प्रस्तावित कटौती ₹ 2,400

© The Institute of Chartered Accountants of India

(vi) व्यवसाय का परिचालन किराये पर भवन में चलता है जिसका वार्षिक किराया ₹ 20,000 वर्ष के अन्त में अदत्त है।

31 दिसम्बर, 2016 को समाप्त वर्ष के लिये श्री अनूप के लिये लाभ–हानि खाता और उसी तिथि को आर्थिक चिट्ठा बनाइए।

**हल :**

**Trading and Profit & Loss Account of Mr. Anup**
**for the year ended 31-12-2016**

| | ₹ | ₹ | | ₹ | ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| To Opening Inventory | | 1,10,000 | By Sales | 9,59,750 | |
| To Purchases | 4,54,100 | | Less : Sales | | |
| Less : Purchases Return | (4,200) | 4,49,900 | Return | (1,200) | 9,58,550 |
| To Gross Profit (b.f.) | | 5,88,650 | By Closing Inventory | | 1,90,000 |
| | | 11,48,550 | | | 11,48,550 |
| To Salary (9,200 × 12) | | 1,10,400 | By Gross Profit | | 5,88,650 |
| To Electricity & Telephone Charges (18,700 + 2,200) | | 20,900 | | | |
| To Legal expenses | | 17,000 | By Discount | | 2,700 |
| To Discount (2,400 + 750) | | 3,150 | | | |
| To Shop expenses (600 × 12) | | 7,200 | | | |
| To Provision for claims for damages | | 1,55,000 | | | |
| To Shop Rent | | 20,000 | | | |
| To Net Profit (b.f.) | | 2,57,700 | | | |
| | | 5,91,350 | | | 5,91,350 |

**Balance Sheet as on 31-12-2016**

| **Liabilities** | ₹ | ₹ | **Assets** | ₹ |
|---|---|---|---|---|
| Capital | 2,38,200 | | Building (from summary cash and bank A/c) | 3,72,000 |
| Add : Fresh capital introduced Maturity | | | Furniture | 25,000 |
| | | | Inventory | 1,90,000 |
| Value from LIC | 20,000 | | | |
| Rent | 14,000 | | Sundry debtors | 92,000 |
| Add : Net Profit | 2,57,700 | | Bills receivable | 6,000 |
| | 5,29,900 | | Cash at Bank | 87,000 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Less : Drawing (1,400 × 12) | (16,800) | 5,13,100 | Cash in Hand | 5,300 |
| Rent outstanding | | 20,000 | | |
| Sundry creditors | | 56,000 | | |
| Bills Payable | | 14,000 | | |
| Outstanding expenses | | | | |
| Legal Expenses | 17,000 | | | |
| Electricity & Telephone charges | 2,200 | 19,200 | | |
| Provision for claims for damages | | 1,55,000 | | |
| | | **7,77,300** | | **7,77,300** |

**Working Notes :**

(i) **Sundry Debtors Account**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Balance b/d | 70,000 | By Bill Receivable A/c | |
| | | Bills accepted by customers | 40,000 |
| To Bill receivable A/c-Bills | | | |
| dishonoured | 3,000 | | |
| To Bank A/c-Cheque dishonoured | 5,700 | By Bank A/c | |
| To Credit sales (Balancing Figure) | 9,59,750 | Cheque received | 5,700 |
| | | By Cash (from summary | |
| | | cash and bank account) | 8,97,150 |
| | | By Return inward A/c | 1,200 |
| | | By Discount A/c | 2,400 |
| | | By Balance c/d | 92,000 |
| | **10,38,450** | | **10,38,450** |

**(ii) Bills Receivable Account**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Balance b/d | 15,000 | By Sundry creditors A/c | |
| To Sundry Debtors A/c | 40,000 | (Bills endorsed) | 10,000 |
| (Bills accepted) | | By Bank A/c (20,000 – 750) | 19,250 |
| | | By Discount A/c (Bills discounted) | 750 |
| | | By Bank | |
| | | Bills collected on maturity | 16,000 |
| | | By Sundry debtors | |
| | | Bills dishonoured (Bal. Fig.) | 3,000 |
| | | By Balance c/d | 6,000 |
| | **55,000** | | **55,000** |

© The Institute of Chartered Accountants of India

**(iii) Sundry Creditors Account**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Bank | 3,20,000 | By Balance c/d | 40,000 |
| To Cash | 77,200 | By Credit purchase | |
| To Bill Payable A/c | 24,000 | (Balancing fig.) | 4,54,100 |
| To Bill Receivable A/c | 10,000 | | |
| To Return Outward A/c | 4,200 | | |
| To Discount Received A/c | 2,700 | | |
| To Balance b/d | 56,000 | | |
| | **4,94,100** | | **4,94,100** |

**(iv) Bills Payable Account**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Bank A/c (Balance figure) | 22,000 | By Balance b/d | 12,000 |
| To Balance c/d | 14,000 | By Sundry creditors A/c | |
| | | Bills accepted | 24,000 |
| | 36,000 | | 36,000 |

**Summary Cash and Bank A/c**

| | **Cash** | **Bank** | | **Cash** | **Bank** |
|---|---|---|---|---|---|
| | ₹ | ₹ | | ₹ | ₹ |
| To Balance b/d | 5,200 | 90,000 | By Bank | 7,62,750 | |
| To Sundry debtors | 8,97,150 | | By Cash | | 1,21,000 |
| (Bal. Fig) | | | By Shop exp. (600 × 12) | 7,200 | |
| To Cash | | 7,62,750 | By Salary (9,200 × 12) | 1,10,400 | |
| To Bank | 1,21,000 | | By Drawing A/c (1,400 ×12) | 16,800 | |
| | | | By Bills Payable | | 22,000 |
| By Sundry Debtors | | 5,700 | By Sundry creditors | 77,200 | 3,20,000 |
| To Bills receivable | | 19,250 | By Furniture | 25,000 | |
| To Bills receivable | | 16,000 | By Sundry Debtors | | 5,700 |
| To Capital (maturity | | 20,000 | By Electricity & | | |
| Value of LIC | | | Teliphone charges | 18,700 | |
| policy) | | | By Building (Bal. fig.) | | 3,72,000 |
| To Capital (Rent | | 14,000 | By Balance c/d | 5,300 | 87,000 |
| received) | | | | | |
| | **10,23,350** | **9,27,700** | | **10,23,350** | **9,27,700** |

© The Institute of Chartered Accountants of India

**(vi) Statement fo Affairs as on 31.12.2015**

| **Liabilites** | ₹ | **Assets** | ₹ |
|---|---|---|---|
| Sundry Creditors | 40,000 | Inventory | 1,10,000 |
| Bills Payable | 12,000 | Debtors | 70,000 |
| Capital (Balancing figure) | 2,38,200 | Bills receivable | 15,000 |
| | | Cash at Bank | 90,000 |
| | | Cash in Hand | 5,200 |
| | **2,90,200** | | **2,90,200** |

**उदाहरण–9**

श्रीमती रश्मि ने अपने व्यवसाय सम्बन्धी निम्नांकित सूचनाऐं प्रस्तुत की हैं :

| **(a) सम्पत्तियाँ और दायित्व** | **1.1.2016** | **31.12.2016** |
|---|---|---|
| | ₹ | ₹ |
| फर्नीचर | 12,000 | 12,700 |
| लागत पर रहतिया | 16,000 | 14,000 |
| विविध देनदार | 32,000 | ? |
| विविध लेनदार | 22,000 | 30,000 |
| पूर्वदत्त व्यय | 1,200 | 1,400 |
| अदत्त व्यय | 4,000 | 3,600 |
| हस्तस्थ रोकड़ एवं बैंक | 2,400 | 1,250 |

(b) वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ और भुगतान 2016

देनदारों से वसूली, कटौती के पश्चात ₹ 3,000 वसूल राशि ₹ 1,17,000 बिलों का संग्रहण जिससे ₹ 250 की कटौती पश्चात वसूल राशि ₹ 12,250, लेनदार कुल =₹ 80,000 चुकता ₹ 78,400 उनके पूर्ण निपटारे में आन्तरिक भाड़ा भुगतान ₹ 6,000

व्यक्तिगत व्यय के लिए आहरण ₹ 14,000

कार्यालय फर्नीचर का भुगतान ₹ 2,000

₹ 200 अंकित मूल्य वाले निवेश @ ₹ 192 पर क्रय किये जिन पर 4% आय होती है। क्रय की तिथि 1 जुलाई, 2016

वेतन सहित व्ययों का भुगतान ₹ 29,000

विविध प्राप्तियाँ ₹ 1,000

(c) वर्ष के दौरान ग्राहकों द्वारा स्वीकृति विनिमय विपत्र की राशि ₹ 20,000 इनमें से ₹ 4,000 के विपत्र लेनदारों के पक्ष में बेचान किये गये हैं। ₹ 800 का बेचान है।

(d) विज्ञापन के रूप में प्रयुक्त माल ₹ 1,800 आनादृत हो गया है।

(e) माल का विक्रय सदैव विक्रय पर $33\frac{1}{3}\%$ लाभ पर होता है।

© The Institute of Chartered Accountants of India

(f) रोकड़ पुस्तक में अन्तर यदि हो को आहरण या नवीन पूँजी के रूप में लेखांकित किया जायेगा।

(g) अन्तिम देनदारों पर 2·5% अप्राप्त ऋण संचय कीजिये।

श्रीमती रश्मि का अनुरोध है कि आप 31 दिसम्बर, 2016 को समाप्त वर्ष के लिये व्यापारिक एवं लाभ–हानि खाता बनायें और उसी तिथि के लिये आर्थिक चिट्ठा भी बनाएँ।

**हल :**

**Trading and Profit and Loss Account of Ms. Rashmi**
**for the year ended 31st December, 2016**

| | | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|---|
| To Opening Inventory | | 16,000 | By Sales (W.N.3) | 1,46,100 |
| To Purchases (W.N.2) | 91,200 | | By Closing inventory | 14,000 |
| Less : For advertising | (1,800) | 89,400 | | |
| To Freight inward | | 6,000 | | |
| To Gross Profit c/d | | 48,700 | | |
| @ 33 – 1/3% | | **1,60,100** | | **1,60,100** |
| To Sundry expenses (W.N.6) | | 28,400 | By Gross Profit b/d | 48,700 |
| To Advertisement | | 1,800 | By Interest on Investment (200 × 4/100 × ½) | 4 |
| To Discount allowed : Debtors | 3,000 | | | |
| Bills Receivable | 250 | 3,250 | By Discount received | 1,600 |
| To Depreciation on furniture (12,000 + 2,000 – 12,700) | | 1,300 | ByMiscellaneous income | 1,000 |
| To Provision for doubtful debts | | 972 | | |
| To Net Profit (b.f.) | | 15,582 | | |
| | | **51,304** | | **51,304** |

**Balance Sheet as on 31st December, 2016**

| Liabilities | Amount | | Assets | | Amount |
|---|---|---|---|---|---|
| | ₹ | ₹ | | ₹ | ₹ |
| Capital as on 1.1.2016 (W.N.1) | 37,600 | | Furniture (W.D.v) | 12,000 | |
| Less : Drawings | (15,808) | | Additions during the year | 2,000 | |
| | 21,792 | | Less : Depreciation (b.f.) | (1,300) | 12,700 |
| Add : Net Profit | 15,582 | 37,374 | Investment | | 192 |
| Sundry creditors | | 30,000 | Interest accrued (200 × 4% × 6/12) | | 4 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| Outstanding expenses | | 3,600 | Closing Inventory | | 14,000 |
| | | | Sundry debtors | 38,900 | |
| | | | Less : Provision for | | |
| | | | doubtful debts @ 2·5% | 972 | 37,928 |
| | | | Bills receivable (W.N.7) | | 3,500 |
| | | | Cash in hand and at bank | | 1,250 |
| | | | Prepaid expenses | | 1,400 |
| | | **70,974** | | | **70,974** |

**Working Notes :**

(i) Capital on Ist January, 2016

**Balance Sheet As On I$^{st}$ January, 2016**

| **Liabilities** | ₹ | **Assets** | ₹ |
|---|---|---|---|
| Capital (Bal. fig.) | 37,600 | Furniture (W.D.V.) | 12,000 |
| Creditors | 22,000 | Inventory at cost | 16,000 |
| Outstanding expenses | 4,000 | Sundry debtors | 32,000 |
| | | Cash in hand and at bank | 2,400 |
| | | Prepaid expenses | 1,200 |
| | **63,600** | | **63,600** |

**(ii) Purchases made during the year**

**Sundry Creditors Account**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Cash and bank A/c | 78,400 | By Balance b/d | 22,000 |
| To Discount received A/c | 1,600 | By Sundry debtors A/c | 800 |
| (80,000 – 78,400) | | | |
| To Bills Receivable A/c | 4,000 | | |
| To Balance c/d | 30,000 | By Purchases A/c | 91,200 |
| | | (Balancing. fig.) | |
| | **1,14,000** | | **1,14,000** |

**(iii) Sales made during the year**

| | | (₹) |
|---|---|---|
| Opening Inventory | | 16,000 |
| Purchases | 91,200 | |
| Less : For advertising | (1,800) | 89,400 |
| Freight inwards | | 6,000 |
| | | 1,11,400 |
| Less : Closing inventory | | (14,000) |

© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | |
|---|---|---|
| Cost of goods sold | | 97,400 |
| Add : Gross Profit (@ 50% on cost) | | 48,700 |
| | | **1,46,100** |

**(iv) Debtors on 31st December, 2016**

**Sundry Debtors Account**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Balance b/d | 32,000 | By Cash and bank A/c | 1,17,000 |
| To Sales A/c (W.N.3) | 1,46,100 | By Discount allowed A/c | 3,000 |
| To Sundry creditors A/c | 800 | By Bills receivable A/c | 20,000 |
| (bill dishonored) | | By Balance c/d (Bal. fig.) | 38,900 |
| | **1,78,900** | | **1,78,900** |

**(v) Additional drawings by Ms. Rashmi**

**Cash and Bank Account**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Balance b/d | 2,400 | By Freight inwards A/c | 6,000 |
| To Sundry debtors A/c | 1,17,000 | By Furniture A/c | 2,000 |
| To Bills Receivable A/c | 12,250 | By Investment A/c | 192 |
| To Miscellaneous income A/c | 1,000 | By Expenses A/c | 29,000 |
| | | By Creditors A/c | 78,400 |
| | | By Drawings A/c | 15,808 |
| | | [(₹ 14,000 + ₹ 1,808 (b.f.) | |
| | | Additional drawings)] | |
| | | By Balance c/d | 1,250 |
| | **1,32,650** | | **1,32,650** |

**(vi) Amount of expenses debited to Profit and Loss A/c**

**Sundry Expenses Account**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Prepaid expenses A/c (on 1.1.2016) | 1,200 | By Outstanding expenses A/c (on 1.1.2014) | 4,000 |
| To Bank A/c | 29,000 | By Profit and Loss A/c (Bal. fig.) | 28,400 |
| To Outstanding expenses A/c (on 31.12.2016) | 3,600 | By Prepaid expenses A/c | 1,400 |
| | **38,800** | | **38,800** |

© The Institute of Chartered Accountants of India

**(vii) Bills Receivable on 31st December, 2016**

**Bills Receivable Account**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Debtors A/c | 20,000 | By Creditors A/c | 4,000 |
| | | By Bank A/c | 12,250 |
| | | By Discount on bills receivable A/c | 250 |
| | | By Balance c/d (Balancing figure) | 3,500 |
| | **20,000** | | **20,000** |

## सारांश

- एकल प्रविष्टि प्रणाली प्रायः एकल व्यापारिक फर्मों में या कुछ सीमाओं तक साझेदारी फर्मों में भी पायी जाती है। परन्तु सीमित दायित्व वाली कम्पनियों में कभी नहीं पायी जाती है, क्योंकि वैधानिक अपेक्षाओं की अनुपालना करनी होती है।
- मूलतः 3 प्रविष्टि प्रणालियाँ हैं :
  (i) शुद्ध एकल प्रविष्टि
  (ii) सरल एकल प्रविष्टि
  (iii) अर्द्ध एकल प्रविष्टि
  एकल प्रविष्टि प्रणाली में बैंक की अवधारणा नहीं होती है और इसी कारण से लेन–देन द्विपक्षीय अंकित नहीं किये जाते हैं।

## स्वयं ज्ञान परीक्षण

### बहुविकल्पीय प्रश्न

**(1)** शुद्ध सम्पदा प्रणाली में लाभ का निर्धारण होता है
  (a) व्यापारिक एवं लाभ–हानि खाता बनाकर
  (b) लेखांकन अवधि की प्रारम्भिक एवं अन्तिम पूँजी की तुलना द्वारा
  (c) लेखांकन अवधि की प्रारम्भिक एवं अन्तिम शुद्ध सम्पदाओं की तुलना द्वारा

**(2)** एकल लेखा प्रणाली का प्रयोग किया जाता है
  (a) छोटी फर्मों द्वारा
  (b) संयुक्त पूँजी कम्पनियों द्वारा
  (c) सहकारी समितियों द्वारा

**(3)** अन्तिम पूँजी की गणना का सूत्र है
  (a) प्रारम्भिक पूँजी + अतिरिक्त पूँजी – आहरण
  (b) प्रारम्भिक पूँजी + अतिरिक्त पूँजी – आहरण + लाभ
  (c) प्रारम्भिक पूँजी + अतिरिक्त पूँजी + आहरण – लाभ

**(4)** एकल लेखा प्रणाली के अधीन कुछ मामलों में केवल व्यक्तिगत खाते रखे जाते हैं
  (a) रोकड़ पुस्तक रखी जाती है
  (b) स्थायी सम्पत्तियों के खाते रखे जाते हैं।
  (c) दायित्व खाते रखे जाते हैं।

© The Institute of Chartered Accountants of India

**(5)** 31.3.2016 को श्री बाबू की अन्तिम पूँजी ₹ 4,00,000 थी 1.4.2015 को उसकी पूँजी ₹ 3,50,000 थी, 31.32016 को समाप्त वर्ष का लाभ ₹ 1,00,000 था। उन्होंने अतिरिक्त पूँजी के रूप में फरवरी, 2016 में ₹ 3,00,000 निवेश किये श्री बाबू द्वारा वर्ष के दौरान आहरित राशि ज्ञात करें।

(a) ₹ 1,00,000; (b) ₹ 80,000; (c) ₹ 1,20,000;

**सैद्धान्तिक प्रश्न**

(i) एकल लेखा प्रणाली से आप क्या समझते हैं ? इस प्रणाली में अनुसारित प्रक्रियाएँ किस प्रकार होती हैं ?

**व्यावहारिक प्रश्न**

**प्रश्न 1. एक कम्पनी अपने माल का 20% नकद और शेष उधार विक्रय होता है। देनदारी को 1½ माह की साख स्वीकृति है और 31.3.2016 को उनका शेष ₹ 1,25,000 है। यह मानते हुए कि वर्ष पर्यन्त विक्रय समान रूप से चलता है। 31.3.2016 को समाप्त वर्ष के लिये उधार विक्रय एवं कुल विक्रय की राशि ज्ञात करें।**

**प्रश्न 2. श्री श्रीनिवास के फुटकर व्यापार का 31 दिसम्बर, 2015 का आर्थिक चिट्ठा निम्नांकित है :**

| दायित्व | ₹ | सम्पत्तियाँ | ₹ |
|---|---|---|---|
| श्री निवास की पूँजी | 1,00,000 | फर्नीचर | 10,000 |
| माल के लिये दायित्व | 20,500 | रहतिया | 70,000 |
| किराया अदत्त | 1,000 | देनदार | 25,000 |
| | | बैंक में रोकड़ | 14,500 |
| | | हस्तस्थ रोकड़ | 2,000 |
| | **1,21,500** | | **1,21,500** |

आपको निम्नांकित सूचनाएँ उपलब्ध हैं :

(i) श्रीनिवास के माल पर विक्रय पर लाभ विक्रय का 20% है

(ii) माल नकद एवं उधार बेचा जाता है, उधार ग्राहक केवल चेक से भुगतान करते हैं।

(iii) क्रय के लिये भुगतान सदैव चेक द्वारा किया जाता है।

(iv) प्रति सप्ताह क्लर्क को ₹ 300 विविध व्यय ₹ 50 और व्यक्तिगत व्यय ₹ 100 भुगतान पश्चात संगृहीत राशि बैंक में जमा करा दी जाती है।

31 मार्च, 2016 को समाप्त 13 सप्ताह की अवधि की बैंक पास बुक के विश्लेषण से निम्नांकित सूचनाएँ प्रकट हुई हैं :

| | ₹ |
|---|---|
| लेनदारों को भुगतान | 75,000 |
| 31.3.2016 तक किराया भुगतान | 4,000 |
| बैंक में जमा राशि (इसमें ₹ 30,000 की चेक द्वारा देनदारों से प्राप्त राशि शमिल है) | 1,25,000 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

**31 मार्च, 2016 को निम्नांकित शेष थे :**

| | ₹ |
|---|---|
| रहतिया | 40,000 |
| देनदार | 30,000 |
| माल के लिये लेनदार | 36,500 |

31 मार्च, 2016 की शाम को रोकड़िया अपने साथ रोकड़ लेकर भाग गया इस तिथि को समाप्त सप्ताह में कोई राशि जमा नहीं करायी गयी है।

आपसे अपेक्षित है कि आप ऐसा विवरण बनाएँ जिसमें रोकड़िया द्वारा गबन की गयी राशि प्रकट हो और लाभ–हानि खाता 31.3.2016 को समाप्त अवधि के लिये लाभ–हानि खाता और उसी तिथि को आर्थिक चिट्ठा बनाइए।

**प्रश्न** 3. श्री अरुण रेडीमेड गारमेन्ट का व्यापार करते हैं। उनकी लेखा पुस्तकें 31 मार्च को बन्द की जाती हैं।

31 मार्च, 2016 को उनका आर्थिक चिट्ठा निम्नांकित है

| दायित्व | ₹ | सम्पत्तियाँ | ₹ |
|---|---|---|---|
| अरुण का पूँजी खाता | 4,04,000 | फर्नीचर | 40,000 |
| लेनदार | 82,000 | रहतिया | 2,80,000 |
| | | देनदार | 1,00,000 |
| | | हस्तस्थ रोकड़ | 28,000 |
| | | बैंक में रोकड़ | 38,000 |
| | **4,86,000** | | **4,86,000** |

आप को निम्नांकित सूचनाएँ प्रस्तुत हैं :

(i) 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिये उनका विक्रय पिछले वर्ष के विक्रय से 20% अधिक है, जिसका 20% नकद विक्रय है। वर्ष 2015-16 के दौरान कुल विक्रय ₹ 5,00,000 था।

(ii) सभी क्रय का भुगतान सदैव चेक द्वारा किया जाता है।

(iii) माल का नकद एवं उधार विक्रय होता है। उधार की वसूली केवल चैक द्वारा होती है।

(iv) फर्नीचर पर ह्रास की दर 10% वार्षिक है।

(v) प्रति माह के अन्तिम दिन उस माह का संग्रहण बैंक में जमा करा दिया जाता है, परन्तु जमा से पूर्व क्लर्क का वेतन ₹ 2,000, कार्यालय व्यय ₹ 1,200 और व्यक्तिगत व्यय ₹ 500 किये जाते हैं।

31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिये पास बुक के विश्लेषण से निम्नांकित लेन–देन प्रकट होते हैं :

| | ₹ |
|---|---|
| लेनदारों को भुगतान | 3,00,000 |
| 31 मार्च, 2017 तक किराया भुगतान | 16,000 |
| वर्ष के दौरान जमा की गयी राशि | 80,000 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

31 मार्च, 2017 को निम्नांकित शेष है

| | ₹ |
|---|---|
| रहतिया | 1,60,000 |
| देनदार | 1,20,000 |
| माल के लिये लेनदार | 1,46,000 |

31 मार्च, 2017 की शाम को रोकड़िया उपलब्ध रोकड़ के साथ भाग गया

31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिये व्यापारिक एवं लाभ–हानि खाता बनाइए और उसी तिथि को आर्थिक चिट्ठा भी बनाइए। अपनी गणनाएँ उत्तर के साथ प्रस्तुत करें।

**प्रश्न 4.** एक व्यापारी अपनी पुस्तकें एकल लेखा प्रणाली पर रखता है। 31 मार्च, 2015 को उसका स्थिति विवरण निम्नलिखित है :

| दायित्व | ₹ | सम्पत्तियाँ | ₹ |
|---|---|---|---|
| व्यापारिक लेनदार | 5,80,000 | फर्नीचर फिक्चर्स एवं फिटिंग्स | 1,00,000 |
| देय विपत्र | 1,25,000 | रहतिया | 6,10,000 |
| अदत्त व्यय | 45,000 | व्यापारिक देनदार | 1,48,000 |
| पूँजी खाता | 2,50,000 | प्राप्य विपत्र | 60,000 |
| | | पूर्वदत्त बीमा | 2,000 |
| | | बैंक और नकद राशि | 80,000 |
| | **10,00,000** | | **10,00,000** |

व्यापारिक देनदारों को स्वीकृत एवं लेनदारों से प्राप्त कटौती राशि क्रमशः ₹ 36,000 और ₹ 28,000 है। बेचान बिल्स की राशि ₹ 15,000 है। अग्नि बीमा का वार्षिक प्रीमियम ₹ 6,000 प्रति वर्ष 1 अगस्त को भुगतान की जाती है।

फर्नीचर फिक्चर्स पर 15% वार्षिक ह्रास W.D.V. पर स्वीकृत है।

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिये रोकड़ पुस्तक का निम्नांकित सारांश प्रस्तुत है :

| प्राप्तियाँ | ₹ | भुगतान | ₹ |
|---|---|---|---|
| 1 अप्रैल, 2016 को नकद एव बैंक शेष | 80,000 | व्यापारिक लेनदारों का भुगतान | 75,07,000 |
| नकद विक्रय | 73,80,000 | देय विपत्र का भुगतान | 8,15,000 |
| व्यापारिक देनदारों से प्राप्तियाँ | 15,10,000 | विविध व्यय भुगतान | 6,20,700 |
| प्राप्य विपत्रों से प्राप्तियाँ | 3,40,000 | आहरण | 2,40,000 |
| | | नकद एवं बैंक शेष 31 मार्च, 2016 को | 1,27,300 |
| | **93,10,000** | | **93,10,000** |

Discount allowed to trade debtors and received from trade creditors amounted to ₹ 36,000 and ₹ 28,000 respectively. Bills endorsed amounted to ₹ 15,000. Annual Fire Insurance premium of ₹ 6,000 was paid every on 1st August for the renewal of the policy. Furniture, Fixtures and fittings were subject to depreciation @ 15% per annum on diminishing balances method.

© The Institute of Chartered Accountants of India

31 मार्च, 2016 को निम्नांकित शेष सम्बन्धी सूचनाएँ हैं :

| | ₹ |
|---|---|
| रहतिया | 6,50,000 |
| व्यापारिक देनदार | 1,52,000 |
| प्राप्य विपत्र | 75,000 |
| देय विपत्र | 1,40,000 |
| अदत्त व्यय | 5,000 |

विक्रय पर 10% सकल लाभ का अनुपात सदैव रहा है।

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिये लाभ–हानि खाता बनाइए और उसी तिथि का आर्थिक चिट्ठा भी बनाइए।

**प्रश्न 5.** एक फर्म का 31 मार्च, 2015 को आर्थिक चिट्ठा निम्नांकित है: :

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| पूँजी | 10,00,000 | स्थायी सम्पत्तियाँ | 4,00,000 |
| व्यापारिक लेनदार | 1,40,000 | रहतिया | 3,00,000 |
| लाभ–हानि खाता | 60,000 | देनदार | 1,50,000 |
| नकद एवं बैंक | 3,50,000 | | |
| | 12,00,000 | | 12,00,000 |

व्यापारिक लेनदारों के भुगतान और विक्रय से प्राप्ति के लिये 1 माह की अवधि स्वीकृत है। व्यापार द्वारा आवर्त पर 30% सकल लाभ उपार्जित किया जाता है। सकल लाभ पर आवर्त के 10% व्यय वसूल किये जाते हैं इनमें ह्रास की राशि शामिल नहीं है।

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिये प्रबन्धन निम्नांकित क्रय–विक्रय का अनुमान करता है।

| | **upto 28.2.2016** (₹) | **मार्च 2016** (₹) |
|---|---|---|
| क्रय | 14,10,000 | 1,10,000 |
| विक्रय | 19,20,000 | 2,00,000 |

यह निर्णय लिया गया कि ₹ 1,00,000 की स्थायी सम्पत्तियाँ क्रय की जाएँ जिन पर लागत पर 10% ह्रास प्रभावी है।

31 मार्च, 2016 को आर्थिक चिट्ठा यह मानते हुए बनाइए कि सभी लेनदार व्यापारिक लेनदार हैं और देनदार विक्रय सम्बन्धी हैं, चालू सम्पत्तियों और दायित्वों में रहतिया नकदी एवं बैंक शेष के अतिरिक्त अन्य कोई मद नहीं है। सभी क्रय एव विक्रय उधार हैं।

## उत्तर / संकेत

**1.** (b) **2.** (a) **3.** (b) **4.** (a) **5.** (b)

© The Institute of Chartered Accountants of India

**सैद्धान्तिक प्रश्न**

एकल लेखा प्रणाली एक अशुद्ध एवं अवैज्ञानिक व्यावसायिक लेन–देनों को रिकॉर्ड करने की प्रणाली है। अनुसारित प्रक्रियाएँ हैं–शुद्ध एकल प्रविष्टि, सरल प्रविष्टि और अर्द्ध एकल प्रविष्टि विस्तार के लिये इस अध्याय के पैरा 1 एवं 2 का सन्दर्भ करें।

**व्यावहारिक प्रश्नों का हल :**

**उत्तर 1.** उधार विक्रय एवं कुल विक्रय की गणना

$$\text{वर्ष 2015-16 के लिये उधार विक्रय} = \text{देनदार} \times \frac{12 \text{ माह}}{1{\cdot}5 \text{ माह}}$$

$$= ₹ 1,25,000 \times \frac{12 \text{ माह}}{1{\cdot}5 \text{ माह}}$$

$$= ₹ 10,00,000$$

$$\text{वर्ष 2015-16 के लिये कुल विक्रय} = \text{उधार विक्रय} \times \frac{100\%}{80\%}$$

$$= ₹ 10,00,000 \times \frac{100\%}{80\%}$$

$$= ₹ 12,50,000$$

**Ans 2.**

**रोकड़िया द्वारा रोकड़ गबन की मात्रा प्रदर्शक विवरण**

| | (₹) | (₹) |
|---|---|---|
| 1.1.2016 को उधार विक्रय | 2,000 | |
| जोड़ो : नकद विक्रय (W.N.2 and W.N.4) | 1,16,250 | 1,18,250 |
| घटाओ : क्लर्क का वेतन (₹ 300 × 13) | 3,900 | |
| विविध व्यय (₹ 50 × 13) | 650 | |
| श्री निवास के आहरण (₹ 100 × 13) | 1,300 | |
| बैंक में जमा (₹ 1,25,000 – ₹ 30,000) | 95,000 | (1,00,850) |
| 31.3.2016 को रोकड़िया द्वारा रोकड़ गबन | | 17,400 |

**Trading and Profit and Loss Account of Sri Srinivas**
**for the 13 week period ended 31st March, 2016**

| | ₹ | | ₹ | ₹ |
|---|---|---|---|---|
| To Opening stock) | 70,000 | By Sales : | 1,16,250 | |
| To Purchases | 91,000 | Cash (W.N.2 & W.N.4) | | |
| To Gross Profit c/d | 30,250 | Credit (W.N.3) | 35,000 | 1,51,250 |
| | | By Closing stock | | 40,000 |
| | **1,91,250** | | | **1,91,250** |

© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| To Salaries (300 × 13) | 3,900 | By Gross profit b/d | | 30,250 |
| To Rent (₹ 4,000 – ₹ 1,000) | 3,000 | | | |
| To Sundry Expenses (50 × 13) | 650 | | | |
| To Loss of cash by theft | 17,400 | | | |
| To Net Profit (b.f.) | 5,300 | | | |
| | **30,250** | | | **30,250** |

**Balance Sheet of Sri Srinivas**
**as on 31st March, 2016**

| Liabilities | | ₹ | Assets | ₹ |
|---|---|---|---|---|
| Capital as on 1.1.2016 | 1,00,000 | | Furniture | 10,000 |
| *Add* : Profit | 5,300 | | Stock | 40,000 |
| | 1,05,300 | | Debtors | 30,000 |
| Less : Drawings | (1,300) | 1,04,000 | Cash at bank | 60,500 |
| Liabilities for goods | | 36,500 | | |
| | | **1,40,500** | | **1,40,500** |

**क्रियात्मक टिप्पणियाँ**

**(i) क्रय**

**Creditors Account**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Bank A/c | 75,000 | By Balance b/d | 20,500 |
| To Balance c/d | 36,500 | By Purchases A/c | 91,000 |
| | **1,11,500** | (Balancing fig.) | **1,11,500** |

**(ii) कुल विक्रय**

| | ₹ |
|---|---|
| प्रारम्भिक रहतिया | 70,000 |
| जोड़ो : क्रय | 91,000 |
| | 1,61,000 |
| घटाओ : अन्तिम रहतिया | (40,000) |
| विक्रीत माल की लागत | 1,21,000 |
| जोड़ो : सकल लाभ @ 25% लाभ पर | 30,250 |
| कुल विक्रय | 1,51,250 |

**(iii) उधार विक्रय**

**Debtors Account**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Balance b/d | 25,000 | By Balance A/c | 30,000 |
| To Sales A/c (Bal. fig.) | 35,000 | By Balance c/d | 30,000 |
| | **60,000** | | **60,000** |

© The Institute of Chartered Accountants of India

**(iv) नकद विक्रय**

| | ₹ |
|---|---|
| कुल विक्रय | 1,51,250 |
| घटाओ : उधार विक्रय | (35,000) |
| नकद विक्रय | 1,16,250 |

**(v) 31.3.2016 को बैंक शेष**

**Debtors Account**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Balance b/d | 14,500 | By Creditors A/c | 75,000 |
| To Debtors A/c | 30,000 | By Rent A/c | 4,000 |
| To Cash A/c (1,25,000 – 30,000) | 95,000 | By Balance c/d (b.f.) | 60,500 |
| | **1,39,500** | | **1,39,500** |

**नोट्स**

(i) सभी क्रय उधार के आधार पर है

(ii) ह्रास की दर की सूचना के अभाव में, फर्नीचर पर कोई ह्रास वसूल नहीं किया गया है।

(iii) रोकड़िया द्वारा गबन की राशि को उससे वसूली योग्य माना जा सकता है। ऐसी स्थिति में ₹ 17,400 की राशि को आर्थिक चिट्ठे में अग्रिम के रूप में प्रदर्शित किया जाए और 31 मार्च, 2016 को समाप्त 13 सप्ताह का शुद्ध लाभ ₹ 22,700 होगा।

**उत्तर 3.**

**Trading and Profit and Loss Account for the year ending 31st March 2017**

| **Particulars** | ₹ | **Particulars** | | ₹ |
|---|---|---|---|---|
| To Opening Stock | 2,80,000 | By Sales (W.N.3) | | |
| To Purchases (W.N. 1) | 3,64,000 | Credit | 4,80,000 | |
| To Gross Profit (b.f.) | 1,16,000 | Cash | 1,20,000 | 6,00,000 |
| | | By Closing stock | | 1,60,000 |
| | **7,60,000** | | | **7,60,000** |
| To Salary (2,000 × 12) | 24,000 | By Gross Profit | | 1,16,000 |
| To Rent | 16,000 | | | |
| To Office expenses (1,200 × 12) | 14,400 | | | |
| To Loss of cash (W.N. 6) | 23,600 | | | |
| To Depreciation on furniture | 4,000 | | | |
| To Net Profit (b.f.) | 34,000 | | | |
| | **1,16,000** | | | **1,16,000** |

© The Institute of Chartered Accountants of India

**Balance Sheet as on 31st March, 2017**

| Liabilites | | ₹ | Assets | | ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| A's Capital | 4,04,000 | | Furniture | 40,000 | |
| Add : Net Profit | 34,000 | | Less : Depreciation | (4,000) | 36,000 |
| Less : Drawings | (6,000) | 4,32,000 | Stock | | 1,60,000 |
| (500 × 12) | | | | | |
| Creditors | | 1,46,000 | Debtors | | 1,20,000 |
| | | | Cash at bank | | 2,62,000 |
| | | **5,78,000** | | | **5,78,000** |

**क्रियात्मक टिप्पणियाँ**

**(i) क्रय की गणना**

**Creditors Account**

| Particulars | ₹ | Particulars | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Bank A/c | 3,00,000 | By Balance b/d | 82,000 |
| To Balance c/d | 1,46,000 | By Purchases A/c (Bal. fig.) | 3,64,000 |
| | **4,46,000** | | **4,46,000** |

**(2) कुल विक्रय की गणना**

| | ₹ |
|---|---|
| **जोड़ो** : 2015-16 वर्ष का विक्रय | 5,00,000 |
| **जोड़ो** : 20% वृद्धि | 1,00,000 |
| 2016-17 वर्ष का कुल विक्रय | 6,00,000 |

**(iii) उधार विक्रय की गणना**

| | ₹ |
|---|---|
| **जोड़ो** : कुल विक्रय | 6,00,000 |
| **घटाओ** : नकद विक्रय (20% × कुल विक्रय) | (1,20,000) |
| | **4,80,000** |

**(iv) देनदारों प्राप्त राशि की गणना**

**Debtors Account**

| Particulars | ₹ | Particulars | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Balance b/d | 1,00,000 | By Bank A/c (शेष राशि वसूली) | 4,60,000 |
| To Sales A/c | 4,80,000 | By Balance c/d | 1,20,000 |
| | **5,80,000** | | **5,80,000** |

© The Institute of Chartered Accountants of India

**(v) अन्तिम रोकड़ बैंक शेष की गणना**

**Bank Account**

| Particulars | ₹ | Particulars | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Balance b/d | 38,000 | By Creditors A/c | 3,00,000 |
| To Debtors A/c | 4,60,000 | By Rent A/c | 16,000 |
| To Cash A/c | 80,000 | By Balance c/d (b.f.) | 2,62,000 |
| | **5,78,000** | | **5,78,000** |

**(vi) रोकड़िया द्वारा गबन की गयी राशि की गणना**

| | ₹ | ₹ |
|---|---|---|
| 1 अप्रैल, 2016 को रोकड़ शेष | | 28,000 |
| **जोड़ो** : वर्ष में नकद विक्रय | | 1,20,000 |
| | | 1,48,000 |
| **घटाओ** : वेतन (₹ 2,000 × 12) | 24,000 | |
| कार्यालय व्यय (₹ 1,200 × 12) | 14,400 | |
| A का आहरण (₹ 500 × 12) | 6,000 | |
| वर्ष के दौरान बैंक में जमा नकद राशि | 80,000 | (1,24,400) |
| 31 मार्च, 2017 को करोड़ द्वारा गबन राशि | | 23,600 |

**Trading and Profit and Loss Account**
**for the year ended 31st March, 2016**

| Particulars | ₹ | Particulars | ₹ | ₹ |
|---|---|---|---|---|
| To Opening Stock | 6,10,000 | By Sales | | |
| To Purchases (W.N. 3) | 84,10,000 | Cash | 73,80,000 | |
| To Gross Profit c/d | 9,30,000 | Credit (W.N. 2) | 19,20,000 | 93,00,000 |
| (10% of 93,00,000) | | By Closing stock | | 6,50,000 |
| | **99,50,000** | | | **99,50,000** |
| To Sundry expenses (W.N. 6) | 5,80,700 | By Gross Profit b/d | | 9,30,000 |
| To Discount allowed | 36,000 | By Discount received | | 28,000 |
| To Depreciation (15% ₹ 1,00,000) | 15,000 | | | |
| To Net Profit (b.f.) | 3,26,300 | | | |
| | **9,58,000** | | | **9,58,000** |

**Balance Sheet as at 31st March, 2016**

| Liabilities | | Amount ₹ | Assets | | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| Capital | | | Furniture & Fittings | 1,00,000 | |
| Opening balance | 2,50,000 | | *Less* : Depreciation | (15,000) | 85,000 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| *Less* : Drawing | (2,40,000) | | Stock | 6,50,000 |
| | 10,000 | | Trade Debtors | 1,52,000 |
| *Add* : Net Profit for the year | 3,26,300 | 3,36,300 | Bills receivable | 75,000 |
| Bills payable | | 1,40,000 | Unexpired insurance | 2,000 |
| Trade creditors | | 6,10,000 | Cash in hand & at bank | 1,27,300 |
| Outstanding expenses | | 5,000 | | |
| | | **10,91,300** | | **10,91,300** |

**क्रियात्मक टिप्पणियाँ**

**(i) Bills Receivable Account**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Balance b/d | 60,000 | By Cash | 3,40,000 |
| To Trade debtors (शेष राशि) | 3,70,000 | By Trade creditors (Bills endorsed) | 15,000 |
| | | By Balance c/d | 75,000 |
| | **4,30,000** | | **4,30,000** |

**(ii) Trade Debtors Account**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Balance b/d | 1,48,000 | By Cash/Bank | 15,10,000 |
| To Credit sales ;शेष राशिद्ध | 19,20,000 | By Discount allowed | 36,000 |
| | | By Bills receivable | 3,70,000 |
| | | By Balance c/d | 1,52,000 |
| | **20,68,000** | | **20,68,000** |

**(iii) Memorandum Trading Account**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Opening stock | 6,10,000 | By Sales | 93,00,000 |
| To Purchases (Balancing figure) | 84,10,000 | By Closing stock | 6,50,000 |
| To Gross Profit (10% on sales) | 9,30,000 | | |
| | **99,50,000** | | **99,50,000** |

**(iv) Bills Payable Account**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Cash/Bank | 8,15,000 | By Balance b/d | 1,25,000 |
| To Balance c/d | 1,40,000 | By Creditors (Balancing figure) | 8,30,000 |
| | **9,55,000** | | **9,55,000** |

© The Institute of Chartered Accountants of India

**(v) Trade Creditors Account**

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Cash/Bank | 75,07,000 | By Balance b/d | 5,80,000 |
| To Discount received | 28,000 | By Purchases (as caluculated in W.N. 3) | 84,10,000 |
| To Bills receivable | 15,000 | | |
| To Bills payable | 8,30,000 | | |
| To Balance c/d (balancing figure) | 6,10,000 | | |
| | **89,90,000** | | **89,90,000** |

**(vi) लाभ–हानि खाते से वसूलीनीय विविध व्ययों की गणना**

| | ₹ |
|---|---|
| चुकता विविध व्यय (रोकड़ पुस्तक के अनुसार) | 6,20,700 |
| **जोड़े** : पूर्वदत्त व्यय 31.3.2015 को | 2,000 |
| | 6,22,700 |
| **घटाओ** : अदत्त व्यय 31.3.2015 को | (45,000) |
| | 5,77,700 |
| **जोड़ों** : अदत्त व्यय 31.3.2016 को | 5,000 |
| | 5,82,700 |
| घटाओ : पूर्वदत्त व्यय 31.3.2016 को (अग्नि बीमा प्रीमियम जुलाई, 2016 तक) (6,000 × 4/12) | (2,000) |
| | **5,80,700** |

**उत्तर 5.**

**Projected Balance Sheet of .....**
**as on 31st March, 2016**

| Liabilities | | ₹ | Assets | | ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| | | ₹ | | | ₹ |
| Capital | | 10,00,000 | Fixed Assets | 4,00,000 | |
| Profit & Loss Account as on | | | Additions | 1,00,000 | |
| 1st April, 2015 | 60,000 | | | 5,00,000 | |
| Add : Profit for the year | 3,74,000 | 4,34,000 | Less Depreciation @ 10% | (50,000) | 4,50,000 |
| Craditors (Trade) | | 1,10,000 | Stock in trade | | 3,36,000 |
| | | | Sundry Debtors | | 2,00,000 |
| | | | Cash & Bank Balance (working note) | | 5,58,000 |
| | | **15,44,000** | | | **15,44,000** |

© The Institute of Chartered Accountants of India

क्रियात्मक टिप्पणियाँ

(i) अन्तिम रोकड़ बैंक शेष की गणना

**Projected Trading and Profit and Loss Account**
**for the year ended 31st March, 2016**

| Particulars | ₹ | Particulars | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Opening Stock | 3,00,000 | By Sales | 21,20,000 |
| To Purchases | 15,20,000 | By Closing Stock (bal. fig.) | 3,36,000 |
| To Gross Profit c/d (30% on sales) | 6,36,000 | | |
| | **24,56,000** | | **24,56,000** |
| To Sundry Expenses | 2,12,000 | By Gross Profit b/d | 6,36,000 |
| (10% on sales) | | | |
| To Depreciation | 50,000 | | |
| To Net Profit (b.f.) | 3,74,000 | | |
| | **6,36,000** | | **6,36,000** |

(ii) **Cash and Bank Account**
**1st April, 2015 to 31st March, 2016**

| Particulars | ₹ | Particulars | ₹ |
|---|---|---|---|
| To Balance b/d | 3,50,000 | By Sundry creditors | 15,50,000 |
| To Sundry Debtors | 20,70,000 | (₹ 1,40,000 + ₹ 14,10,000) | |
| (₹1,50,000 + ₹ 19,20,000) | | By Expenses | 2,12,000 |
| | | By Fixed Assets | 1,00,000 |
| | | By Balance c/d (b.f.) | 5,58,000 |
| | **24,20,000** | | **24,20,000** |

❐❐

© The Institute of Chartered Accountants of India